सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की

जितना बड़ा संघर्ष होगा जीत उतनी शानदार होगी।
–निक व्युजेसिक

मूल्य ₹ 3/-

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 12 ● अंक 113 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार 30 मई, 2026

आईपीएल खिताब से एक कदम दूर... 7 | सत्ता के रंग से अपनों से हो... 3 | सपा के पीडीए फार्मूला पर सपा... 2

पंजाब में फूटा पॉलिटिकल बम

निकाय नतीजों ने दिखाया 27 का ट्रेलर

» आप की बल्ले-बल्ले कांग्रेस की वापसी के संकेत

» बीजेपी नहीं तलाश सकी अपनी जमीन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पंजाब निकाय चुनाव में आम आदमी पार्टी ने जीत का परचम लहरा दिया है। आप ने बढ़िया प्रदर्शन करते हुए 8 नगर निगमों में से 5 पर जीत हासिल की है। मोहाली, बरनाला, बटाला, मोगा, बठिंडा नगर निगम आप के खाते में गया है। कपूरथला पर कांग्रेस ने कब्जा जमाया है वहीं अबोहर बीजेपी का हो गया। पंजाब में 8 नगर निगमों 75 नगर परिषदों और 21 नगर पंचायतों समेत कुल 104 स्थानीय निकायों के लिए मतदान हुआ था।

आम आदमी पार्टी के 958 उम्मीदवारों ने स्थानीय निकाय चुनाव में जीत हासिल की है जबकि कांग्रेस 397 वार्ड जीतकर दूसरे नंबर की पार्टी बन गई है यह निकाय चुनाव अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले काफी अहम माने जा रहे हैं इनके नतीजों का असर विधानसभा चुनावों पर भी देखने को मिल सकता है। इस जीत से भगवंत मान और अरविंद केजरीवाल गदगद नजर आए केजरीवाल और मान ने इसे काम की राजनीति की जीत बताया।

कांग्रेस ने दिखाई ताकत

पंजाब की राजनीति में कांग्रेस को लेकर उत्साह पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। निकाय चुनावों ने यह साबित कर दिया है कि पार्टी का मूल वोट बैंक अब भी मौजूद है और अवसर मिलने पर वह एक मजबूत चुनौती खड़ी कर सकता है। कांग्रेस की सबसे बड़ी ताकत यह रही कि उसने खुद को मुख्य विपक्ष के रूप में प्रस्तुत किया। कई क्षेत्रों में पार्टी ने सीधे आप को चुनौती दी और बीजेपी तथा अकाली दल को पीछे छोड़ा। कांग्रेस समर्थक मानते है कि राहुल गांधी की लगातार जनसभाएं सामाजिक मुद्दों पर सक्रियता और संगठन को पुनर्जीवित करने की कोशिशों का असर धीरे-धीरे पंजाब में दिख रहा है। हालांकि कांग्रेस के सामने चुनौती कम नहीं है। उसे गुटबाजी नियंत्रित करनी होगी, मजबूत नेतृत्व सामने लाना होगा और सिर्फ AAP विरोध के बजाय वैकल्पिक विजन देना होगा। यदि पार्टी ऐसा कर पाती है, तो 2027 की लड़ाई को त्रिकोणीय से सीधा मुकाबला बना सकती है।

आप के 958 उम्मीदवारों ने स्थानीय निकाय चुनाव में जीत हासिल की

चुनाव निकाय के थे लेकिन संदेश विधानसभा चुनाव वाला

पंजाब ने एक बार फिर देश की राजनीति को चौंका दिया है। निकाय चुनाव थे लेकिन संदेश विधानसभा चुनाव वाला निकल आया। वार्ड छोटे थे लेकिन राजनीतिक संकेत बहुत बड़े निकले। वोटर सड़क नाली और स्ट्रीट लाइट के नाम पर मतदान करने निकला था मगर परिणामों ने 2027 की सत्ता की लड़ाई का ट्रेलर दिखा दिया। चुनावी नतीजों का सबसे बड़ा संदेश यह निकला कि पंजाब में अभी भी मुख्यमंत्री भगवंत मान और आम आदमी पार्टी का जलवा कायम है। विपक्ष लगातार कानून–व्यवस्था, नशा, बेरोजगारी और प्रशासनिक विफलताओं के मुद्दे उठाता रहा लेकिन मतदाताओं ने आम आदमी पार्टी को राजनीतिक ऑक्सीजन देने का काम किया। यह जीत सिर्फ सीटों की नहीं बल्कि नैरेटिव की जीत भी मानी जा रही है।

सरकार को बनाते या गिराते नहीं है नतीजे

निकाय चुनावों के ये नतीजे किसी सरकार को बनाते या गिराते नहीं हैं लेकिन राजनीतिक मनोविज्ञान जरूर बदल देते हैं। यही कारण है कि इन चुनावों के बाद सबसे ज्यादा राहत सीएम भगवंत मान को मिली है सबसे ज्यादा उम्मीद कांग्रेस को मिली है और सबसे ज्यादा चिंता बीजेपी तथा अकाली दल के खेमे में दिखाई दे रही है। 2027 अभी दूर है लेकिन पंजाब ने संकेत दे दिया है कि अगली लड़ाई सिर्फ नारों की नहीं भरोसे की होगी। और फिलहाल इस भरोसे की दौड़ में आप आगे है और कांग्रेस पीछा करती हुई दिखायी दे रही है।

पंजाब में किसान आंदोलन का साया अब भी बरकरार

पंजाब में बीजेपी की सबसे बड़ी समस्या संगठन नहीं धारणा है। किसान आंदोलन खत्म हुए सालों गुजर चुके हैं लेकिन उसकी राजनीतिक गूंज अभी भी पंजाब के खेतों और गांवों में सुनाई देती है। यही वजह है कि भाजपा लगातार प्रयासों के बावजूद राज्य में वह स्वीकार्यता हासिल नहीं कर पा रही जिसकी उसे उम्मीद थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैलियां हुईं केंद्रीय योजनाओं का प्रचार हुआ नए राजनीतिक सहयोगी भी जोड़े गए लेकिन निकाय चुनाव के नतीजे बताते हैं कि पंजाब का मतदाता अभी पूरी तरह बीजेपी के साथ सहज नहीं हुआ है। बीजेपी का वोट शेयर कुछ इलाकों में बढ़ा जरूर है लेकिन वह लहर नहीं बन पाया जिसकी पार्टी को आवश्यकता थी। शहरी क्षेत्रों में सीमित सफलता मिली लेकिन राज्यव्यापी प्रभाव दिखाई नहीं दिया। किसान आंदोलन के दौरान बने अविश्वास की दीवार अब भी पूरी तरह नहीं टूटी है।

1977 में से कितने वार्डों पर जीत

AAP (Aam Aadmi Party) 958	कांग्रेस 397	निर्दलीय
बीजेपी 12	अकाली दल 192	251

कांग्रेस के प्रदर्शन को हल्के में नहीं लिया जा सकता

दूसरी तरफ कांग्रेस ने भी ऐसा प्रदर्शन किया है जिसे हल्के में नहीं लिया जा सकता। विधानसभा चुनाव के बाद जिस पार्टी को कई लोग राजनीतिक आईसीयू में मान रहे थे उसने निकाय चुनाव में खुद को मुख्य चुनौतीकर्ता के रूप में स्थापित किया है। कांग्रेस भले सत्ता से दूर हो लेकिन वोटर के मन से दूर नहीं हुई है। यही वजह है कि कई क्षेत्रों में पार्टी ने मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई। सबसे ज्यादा चिंता बीजेपी के लिए है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता, केंद्र सरकार की योजनाएं और नए सहयोगियों के साथ समीकरण बनाने के बावजूद पंजाब में भाजपा अभी भी वह राजनीतिक जमीन तैयार नहीं कर पाई है जिसकी उसे उम्मीद थी। किसान आंदोलन की स्मृतियां अभी भी पूरी तरह धुंधली नहीं हुई हैं। पंजाब का ग्रामीण और अर्धशहरी मतदाता अब भी बीजेपी को संदेह की नजर से देखता दिखाई देता है। अकाली दल की स्थिति और भी चुनौतीपूर्ण है। कभी पंजाब की राजनीति का केंद्र रहने वाली पार्टी अब खुद को प्रासंगिक बनाए रखने की लड़ाई लड़ रही है। कई जगहों पर मुकाबला आप बनाम कांग्रेस बनता दिखाई दिया जबकि अकाली दल हाशिए पर खड़ा नजर आया।

पीडीए फार्मूले को लेकर सपा प्रमुख व डिप्टी सीएम में 'रार'

» अखिलेश बोले- ब्रजेश पाठक बेकार और नाकाम
» पाठक ने पत्रकार बन दिया जवाब

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा पर जमकर करारा वार किया है। इसी क्रम में पीडीए फार्मूले और सरकार के कामकाज को लेकर पूर्व सीएम व वर्तमान डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने एक-दूसरे पर निशाना साधा। अखिलेश ने पाठक को नाकाम बताया, जबकि पाठक ने उनके आरोपों का जवाब देते हुए सपा की राजनीति पर सवाल उठाए।

दरअसल, पाठक पत्रकार बन गए और अपने ही मंत्रिमंडल के पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेंद्र कश्यप से बातचीत के बहाने समाजवादी पार्टी, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और उनके पीडीए फार्मूले पर निशाना साधा। निशाना सटीक लगा। अखिलेश यादव ने ब्रजेश पाठक को बेकार और नाकाम कह दिया। पाठक ने अब न सिर्फ अखिलेश पर फिर निशाना साधा है बल्कि उन्हें मिर्ची लगे तो मैं क्या करूं... कहते हुए खुद की आगे की सियासी बिसात भी सजाना शुरू कर दी है। नरेंद्र कश्यप पिछड़े वर्गों के कल्याण के कार्यों से जुड़े विभाग के मंत्री हैं। अखिलेश यादव का पीडीए फार्मूला पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक यानी मुस्लिम वोटों के योग पर बना है। इसी के आधार पर उन्होंने लोकसभा चुनाव 24 में उत्तर प्रदेश में सफलता हासिल की। भाजपा के 60 बनाम 40 के फार्मूले का मुख्य आधार भी अगड़ों के साथ पिछड़ी व दलित जातियां हैं। विधानसभा चुनाव सामने ही खड़ा है तो राजनीतिक विरोधियों पर निशाना साधना जरूरी भी है।

कश्यप के सवाल पाठक के जवाब पर तंज

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने ब्रजेश पाठक को नाकाम बताया। कहा कि स्वास्थ्य मंत्री के रूप में ब्रजेश पाठक बेकार साबित हुए हैं। इसलिए पत्रकार बन गए हैं। छात्र राजनीति से राजनेता बने पाठक ने अखिलेश के बयान को यह कहते हुए तुरंत लपका कि सपा प्रमुख ने खलिहर बताकर पत्रकारों का अपमान किया है। वह यहीं नहीं रुके। उन्होंने पं. दीनदयाल उपाध्याय, अटल बिहारी वाजपेयी, डॉ. राममनोहर लोहिया के राजनेता होने के बावजूद समय पर पत्रकारिता करने, लिखने-पढ़ने के गुण का जिक्र करते हुए अखिलेश पर नया हमला बोल दिया।

उन्हें मिर्ची लगी तो मैं क्या करूं : पाठक

पाठक ने लिखा कि संवाद सनातन धर्म का प्रमुख गुण है, जिसका अखिलेश अपमान कर रहे हैं। आगे लिखा कि स्वास्थ्य मंत्री के रूप में वह यथासंभव बेहतर काम कर रहे हैं। एक राजनीतिक कार्यकर्ता के रूप में संवाद की परंपरा आगे बढ़ा रहे है, उन्हें मिर्ची लगे तो मैं क्या करूं....! निश्चित रूप से पाठक की नई टिप्पणी पर भी सपा मुखिया कुछ न कुछ जरूर बोलेंगे।

ट्वीट में भी कसा तंज

जो स्वास्थ्य मंत्री के रूप में साबित हो गये बेकार, अब वो बन गये पत्रकार' क्योंकि समय बिताने के लिए करना है कुछ काम, सरकार, संगठन, दल में तो पहले ही हुए नाकाम। प्रदेश की जनता बिन-बिजली गर्मी-बीमारी में तड़प रही है और भाजपाई मंत्री इंटरव्यू-इंटरव्यू खेलकर गर्मी की छुट्टियां मना रहे हैं। फिर डपट पड़ेगी डिप्टी को! बेहद बचकाना! बता दें पाठक ने पीडीए पर सवाल किया तो कश्यप ने जवाब दिया, सपा का पीडीए सामाजिक न्याय का फार्मूला नहीं बल्कि लोकतंत्र की आड़ में एक राजनीतिक घराने का राजघराने जैसा व्यवहार करने और पिछड़े वर्ग के कल्याण की आड़ में सिर्फ एक जाति के लिए काम करने का तरीका है। सिर्फ राजनीतिक शिगूफा है।

अपराध रोकने को ठोस कदम उठाएं : मायावती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश गाजियाबाद में सूर्य चौहान की हत्या को लेकर बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती ने दुख व्यक्त किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि जिला गाजियाबाद में खोड़ा के एक नौजवान युवक सूर्या चौहान की हुई हत्या की घटना अति दुखद व चिन्ताजनक है। इस प्रकार की आए दिन हो रही घटनाओं की रोकथाम के लिए शासन व प्रशासन को सही कदम उठाने की जरूरत है।

» गाजियाबाद में सूर्या चौहान हत्याकांड पर बसपा प्रमुख ने जताई चिंता

उन्होंने आगे लिखा कि साथ ही इस घटना में शामिल अपराधियों की पहचान करके उन्हें कानूनी सजा जरूर दी जाए। इसके साथ ही चुनाव का समय जैसे-जैसे नजदीक आता जाएगा, ऐसी घटनाओं के व्यापक दुष्परिणाम होंगे। अत: सरकार पूरी तरह सतर्क रहे। इससे पहले मायावती ने ग्रेटर नोएडा के जेवर में गोपाल शर्मा की हत्या पर दुख व्यक्त किया था। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा था कि ग्रेटर नोएडा के जेवर में की गई लगभग 15 वर्ष के गोपाल शर्मा की हत्या अति दुखद व चिन्ताजनक. सरकार इस घटना की उच्च-स्तरीय जांच कराए और इसके सभी अभियुक्तों को कड़ी सजा दी जाए। हमीरपुर हादसे पर भी उन्होंने पोस्ट कर लिखा था कि हमीरपुर में निर्माणाधीन पुल के गिरने से कई मजदूरों की हुई मौत के प्रकरण को भी सरकार गम्भीरता से लेते हुए मृतकों के आश्रितों को उचित आर्थिक मदद दे तथा घायलों का भी विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने आगे लिखा कि यह बसपा की भी मांग है। बता दें कि मायावती ने 11 मई को सहारनपुर के लालवाला गांव में संघर्ष पर भी चिंता जताई थी. उन्होंने कहा था कि इस घटना में दलित वर्ग के कई लोगों के घायल होने से इलाके में तनाव का माहौल है. उन्होंने पुलिस और प्रशासन से तत्काल निष्पक्ष कार्रवाई कर हालात को काबू में करने की मांग की थी, साथ ही दोनों पक्षों से शांति, सौहार्द और कानूनी तरीके से विवाद सुलझाने की अपील भी की थी।

सभी धर्मों की धार्मिक गतिविधियों पर समान रूप से पाबंदियां लगनी चाहिए : ओवैसी

» बोले एआईएमआईएम प्रमुख- भाजपा सरकार के मापदंड दोहरे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि अगर सड़कों पर नमाज पढ़ना गलत माना जाता है, तो संविधान के आर्टिकल 25 का हवाला देते हुए, सभी धर्मों की धार्मिक गतिविधियों पर समान रूप से पाबंदियां लगनी चाहिए। यह अनुच्छेद धर्म की स्वतंत्रता और अपने धर्म का पालन करने और उसका प्रचार करने के अधिकार की गारंटी देता है।

एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ओवैसी ने तर्क दिया कि नमाज पर लोगों की आपत्तियां एक दोहरे मापदंड को दर्शाती हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि दूसरे समुदायों की ओर से आयोजित धार्मिक जुलूसों और सभाओं पर इसी तरह की चिंताएं क्यों नहीं जताई जातीं? ओवैसी ने कहा, आर्टिकल 25 को याद रखें। अगर सड़क पर नमाज पढ़ना गलत है, तो हर धर्म के त्योहारों पर लोगों का सड़क पर निकलना भी गलत है। अगर आप कहते हैं कि किसी के त्योहार के दौरान मांस की दुकानें बंद रहनी चाहिए, तो रमजान के 30 दिनों तक शराब की दुकानें भी बंद कर दें। 30 दिनों के लिए शराब की दुकानें नहीं खुलनी चाहिए। ओवैसी ने दोहरे मापदंड का आरोप लगाते हुए कहा कि लोगों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषणों पर कोई आपत्ति नहीं होती, लेकिन अजान और नमाज पर वे आपत्ति जताते हैं।

ओवैसी ने हिंदू त्योहारों के दौरान अंडे, मांस और चिकन की बिक्री पर लगाई जाने वाली पाबंदियों पर भी सवाल उठाते हुए पूछा कि यह किस तरह का कानून है? उन्होंने कहा कि आपकी नफरत सिर्फ मुसलमानों के लिए है। और आपकी नफरत साफ दिखाती है कि आप इस धर्म के मानने वालों को दबाना चाहते हैं और उन्हें हाशिए पर धकेलना चाहते हैं। आप उन्हें दूसरे दर्जे का नागरिक बनाना चाहते हैं।

अब्दुल्ला आजम को कोर्ट से राहत

» दो पासपोर्ट मामले में सात साल की सजा रद्द

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के पूर्व मंत्री आजम खान के बेटे अब्दुल्ला आजम खान को कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। दो पासपोर्ट मामले में सुनाई गई 7 साल की सजा को सेशन कोर्ट ने रद्द कर दिया है। कोर्ट ने अब्दुल्ला आजम की ओर से दाखिल अपील स्वीकार करते हुए फैसला सुनाया है।

बताया जा रहा है कि दो पासपोर्ट मामले म मजिस्ट्रेट कोर्ट ने 5 दिसंबर 025 को अब्दुल्ला आजम को 7 साल की सजा सुनाई थी। इस फैसले के खिलाफ अब्दुल्ला आजम की ओर से सेशन कोर्ट में अपील दाखिल की गई थी, जिस पर 25 मई को बहस पूरी हो चुकी थी। इस मामले में शुक्रवार को फैसला सुनाते हुए कोर्ट ने अब्दुल्ला आज़म की अपील मंजूर कर ली और पूर्व में सुनाई गई सजा को निरस्त कर दिया। गौरतलब है कि बीजेपी विधायक आकाश सक्सेना ने 30 जुलाई 2019 को रामपुर के सिविल लाइंस थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप था कि अब्दुल्ला आज़म ने अलग-अलग जन्मतिथि दर्शाकर दो पासपोर्ट बनवाए। एक पासपोर्ट में जन्मतिथि 1 जनवरी 1993 जबकि दूसरे में 30 सितंबर 1990 दर्ज होने का आरोप था। दोनों पासपोर्ट का इस्तेमाल कर विदेश यात्रा करने के आरोप भी लगाए गए थे। यह मामला कोर्ट में विचाराधीन था, फिलहाल अब्दुल्ला आज़म खान रामपुर जेल में बंद हैं।

राजभर सटक गए हैं, उनकी स्क्रिप्ट सूचना विभाग लिखता है : अमीक

सुभासपा नेता के बयान पर सपा का पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मऊ जनपद में हालिया घटनाओं पर कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर द्वारा यादव समाज को टारगेट कर बयान देने का मामला तूल पकड़ गया है। इस पर सपा प्रवक्ता अमीक जामेई ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ओम प्रकाश राजभर सटक गए हैं। राजभर की हत्या यूपी में हो रही है। इनकी स्क्रिप्ट सूचना विभाग से लिखी जाती है।

अमीक जामेई ने यह बयान लखनऊ में पत्रकारों के सवालों पर दिया। इसके साथ ही नीट परीक्षा लीक मामले में धीरेन्द्र शास्त्री द्वारा सवाल उठाने पर सपा प्रवक्ता ने उनका समर्थन किया है और बोले कि मालूम नहीं कि वो कितना पढ़े-लिखे हैं, लेकिन बात सही की है। गाजियाबाद में सूर्य चौहान नामक युवक की हत्या को पुरानी रंजिश का परिणाम बताया। दरअसल मऊ जनपद के थाना हलधरपुर में रामजनम राजभर नामक व्यक्ति की गोली मारकर हत्या पर ओम प्रकाश राजभर ने सपा पर हमला किया था।

उन्होंने कहा, यादव सत्ता के लिए पगला गए हैं और कुछ भी करने को तैयार हैं। इसमें उन्होंने चंदौली की एक घटना का जिक्र किया और कहा कि सत्ता कि चाह में अपने ही लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। इस बयान पर अमीक जामेई ने तीखी प्रतिक्रिया दी और कहा कि ओपी राजभर सटक गए हैं, राजभर की हत्या यूपी में हो रही है, इनकी स्क्रिप्ट सूचना विभाग से लिखी जाती है।

सत्ता के रंग से अपनों से हो रहा मोह भंग

बंगाल, बिहार, ओडिशा से लेकर तमिलनाडु तक दल बदल

» विपक्षी दलों के नेताओं का सत्तारुढ़ दल में शामिल होने का सिलसिला जारी

» विजय सरकार के करीब पहुंचे एआईडीएमके के कई विधायक

» सुवेंदु के शासन में हाथ बटाएंगे टीएमसी के नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कई सालों से सियासत में एक नया ट्रेंड देखने को मिल रहा है। किसी भी राज्य में सत्ता में जो दल काबिज रहती है तो अन्य दलों के एमएलए या अन्य नेता उसी के साथ चले जाते है। कहीं कहीं तो खुद चले गए कहीं-कहीं सत्ता में बैठी दल साम-दाम से अपने पाले में कर लेती है। हाल ही तमिलनाडु, बंगाल व उड़ीसा में देखने को मिला कि विपक्षी दलों के नेता सत्ता की गोद में जाकर बैठ गए। जैसे तमिलनाडु में हालिया चुनाव में मिली करारी हार के बाद से आंतरिक कलह से जूझ रही एआईएडीएमके को एक और झटका लगा है।

एआईएडीएमके के तीन विधायकों ने तमिलनाडु विधानसभा से इस्तीफा दे दिया और मुख्यमंत्री विजय के नेतृत्व वाली टीवीके पार्टी में शामिल हो गए। विधायकों मरगथम कुमारवेल, जयकुमार और सत्यबामा ने तमिलनाडु विधानसभा अध्यक्ष जेसीडी प्रभाकर को अपना इस्तीफा सौंपा, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया। यह घटनाक्रम एआईएडीएमके के वरिष्ठ नेता सीवी शनमुगम के नेतृत्व में 30 विधायकों द्वारा विजय की टीवीके सरकार को समर्थन देने के दो सप्ताह बाद सामने आया है। एडप्पाडी पलानीस्वामी के नेतृत्व वाली पार्टी से इस्तीफा देने वाले तीनों विधायक इसी बागी गुट का हिस्सा थे।

बागी गुट की संख्या 25 से घटकर 17 रह गई

तीन विधायकों के इस्तीफे और पांच विधायकों के पलानीस्वामी खेमे में वापस लौटने के बाद, बागी गुट की संख्या 25 से घटकर 17 रह गई है। हाल ही में हुए तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में एआईएडीएमके ने कुल 47 सीटें जीतीं, जबकि विजय की टीवीके 108 सीटों के साथ बहुमत से कम रहते हुए सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। टीवीके ने बाद में कांग्रेस, आईयूएमएल, वीसीके और वामपंथी दलों के समर्थन से सरकार बनाई, जबकि एआईएडीएमके के बागी विधायकों ने सत्ताधारी दल को अपना समर्थन दिया। हालांकि, बागी खेमे में एक नया मोड़ आया है। वरिष्ठ नेता एसपी वेलुमणि ने पार्टी को तोड़ने के किसी भी इरादे से इनकार किया और कहा कि एडप्पाडी पलानीस्वामी उनके नेता बने रहेंगे। उन्होंने कहा कि पार्टी को पूर्व मुख्यमंत्री जे जयललिता के समय से जुड़े अम्मा शासन को बहाल करने की दिशा में काम करना चाहिए। वेलुमणि ने यह भी कहा कि न तो उन्होंने और न ही शनमुगम ने कभी नवगठित सरकार में पद पाने में रुचि दिखाई है। विजय के हालिया मंत्रिमंडल विस्तार के दौरान टीवीके ने बागी एआईएडीएमके विधायकों को मंत्रिमंडल में कोई पद नहीं दिया।

बिहार में राजद को झटका! मुखिया दीदी ने थामा बीजेपी का दामन

बिहार में एक महत्तवपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम में, राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) की पूर्व नेता ऋतु जायसवाल ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होकर राज्य के राजनीतिक समीकरणों में बदलाव का संकेत दिया है। बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सराओगी ने उन्हें औपचारिक रूप से पार्टी में शामिल किया। जायसवाल पूर्व में आरजेडी महिला विंग की अध्यक्ष रह चुकी हैं और उन्होंने पिछले लोकसभा चुनाव में आरजेडी के टिकट पर शिवहर से चुनाव लड़ा था। लोकप्रिय रूप से मुखिया दीदी के नाम से जानी जाने वाली ऋतु जायसवाल बिहार की राजनीति में पार्टी के प्रमुख चेहरों में से एक थीं। आरजेडी नेतृत्व, विशेषकर तेजस्वी यादव के साथ उनके संबंध पिछले कुछ महीनों में कथित तौर पर बिगड़ गए थे। इस मनमुटाव का मुख्य कारण 2025 के बिहार विधानसभा चुनावों में परिहार विधानसभा

क्षेत्र से पार्टी टिकट न मिलना था। इस फैसले से नाराज होकर जायसवाल ने पार्टी के खिलाफ बगावत कर स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा। हालांकि, उन्हें जीत हासिल करने में सफलता नहीं मिली। आरजेडी ने इसे अनुशासनहीनता का मामला बताते हुए उन्हें छह साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया। भाजपा में शामिल होने के तुरंत बाद, रितु जायसवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार की नीतियों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि पार्टी हमेशा राष्ट्र सर्वोपरि नीति पर काम करती है। जायसवाल ने कहा कि जब मैं केवल एक ही विचारधारा से जुड़ी थी, तो मैं अन्य दृष्टिकोणों को नहीं देख पाती थी। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिना किसी भेदभाव के हर वर्ग और हर विचारधारा के लोगों के बारे में सोचते हैं। उनकी चिंता यह है कि सभी को मुख्यधारा में कैसे लाया जाए।

ओडिशा में भी बदलाव, बीजेडी के पूर्व राज्यसभा सांसद देबाशीष सामंतराय बीजेपी के साथ

बीजेडी के पूर्व राज्यसभा सांसद देबाशीष सामंतराय ने पार्टी में कथित व्यवस्थित अपमान और नवीन पटनायक से मुलाकात न कर पाने के चलते इस्तीफा देकर भाजपा का दामन थाम लिया। उन्होंने 2024 के चुनावों में बीजेडी की हार के लिए वीके पांडियन को जिम्मेदार ठहराया, जो ओडिशा की राजनीति में दल-बदल की नई लहर का संकेत है। इस कदम से भाजपा को राज्य में अपनी स्थिति मजबूत करने का अवसर मिल सकता है। बीजू जनता दल (बीजेडी) के पूर्व राज्यसभा सांसद देबाशीष सामंतराय मंगलवार को वरिष्ठ पार्टी नेताओं की उपस्थिति में भाजपा में शामिल हो गए। उन्होंने सोमवार को बीजेडी से इस्तीफा दे दिया था। बीजेडी सुप्रीमो और ओडिशा के

पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक के लंबे समय से सहयोगी रहे सामंतराय ने सोमवार को पार्टी और राज्यसभा दोनों से इस्तीफा दे दिया था, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि संगठन में उन्हें व्यवस्थित रूप से अपमानित किया जा रहा है। उनका पार्टी छोड़ना दो अन्य बीजेडी राज्यसभा सांसदों- सुजीत कुमार और ममता महंत के पार्टी छोड़ने के कुछ महीनों बाद हुआ है। बाद में दोनों भाजपा के टिकट पर राज्यसभा के लिए चुने गए। पार्टी से इस्तीफा देने के कुछ घंटों बाद, सामंतराय ने कहा कि उन्होंने संसद में राज्यसभा अध्यक्ष सीपी राधाकृष्णन से मुलाकात की और उच्च सदन से अपना इस्तीफा सौंप दिया।

चुनावों में पार्टी की हार के लिए पूर्व नौकरशाह से राजनेता बने वीके पांडियन जिम्मेदार : सामंतराय

सामंतराय ने आरोप लगाया कि पटनायक के वर्षों से करीबी सहयोगी होने के बावजूद, उन्हें बीजेडी प्रमुख से मिलने से रोका गया और उन्होंने 24 के चुनावों में पार्टी की हार के लिए पूर्व नौकरशाह से राजनेता बने वीके पांडियन को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि जब मैं अपने पार्टी अध्यक्ष से मिल ही नहीं सकता, तो बीजेडी में रहने का कोई मतलब नहीं है। पटनायक को लिखे अपने इस्तीफे पत्र में सामंतराय ने कहा कि मैं एतद्दवारा बीजेडी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देता हूं। हाल ही में, मुझे लगा कि पार्टी में मुझे व्यवस्थित रूप से अपमानित किया जा रहा है और पार्टी को मेरी सेवाओं की आवश्यकता नहीं है। इसलिए, मैंने जनहित में यह कठिन निर्णय लिया है और आपसे मेरा इस्तीफा स्वीकार करने का अनुरोध करता हूं। समंतराय का इस्तीफा राज्यसभा के दो अन्य सांसदों - सुजीत कुमार और ममता महंत के पार्टी छोड़ने के कुछ महीनों बाद आया है। महंत और कुमार बाद में भाजपा के टिकट पर राज्यसभा के लिए चुने गए थे। 2009 और 2014 में दो बार विधायक चुने गए समंतराय ने संसद के उच्च सदन में मनोनीत करने के लिए पटनायक के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने पत्र में कहा कि मुझे राज्यसभा के लिए मनोनीत करने के लिए मैं आपका सदा ऋणी रहूंगा। अविभाजित कटक जिले की जनता की सेवा करने और ओडिशा से संबंधित मुद्दों को राष्ट्रीय स्तर पर उठाने का अवसर देने के लिए मैं इस अवसर पर आपके प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करता हूं। अप्रैल 24 में राज्यसभा के लिए चुने गए समंतराय, पांडियन के मुखर आलोचक रहे थे, जिन्होंने 24 के लोकसभा और ओडिशा विधानसभा चुनावों में बीजद की हार के बाद सक्रिय राजनीति से किनारा कर लिया था।

बंगाल में भारी उथल-पुथल कई नगर निकाय के पार्षद ने त्यागे पद

संकट इतना गंभीर हो गया है कि अगले साल होने वाले नगर निगम चुनावों से पहले ही कई नगर निगम बोर्डों को भंग किया जा सकता है। आजतक बांग्ला के अनुसार, ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि ममता के करीबी सहयोगी और कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम ने इस्तीफा देने की इच्छा जताई है। कभी शक्तिशाली रही ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस, बंगाल चुनावों में अपनी करारी हार के बाद कमजोर पड़ती नजर आ रही है। लोकसभा सांसद काकोली घोष दस्तीदार जैसे वरिष्ठ नेता खुलकर असंतोष व्यक्त कर रहे हैं, वहीं तृणमूल नियंत्रित नगर निकायों में अशांति के चलते सामूहिक इस्तीफे हो रहे हैं। पिछले कुछ दिनों में विभिन्न नगरपालिकाओं के लगभग 100 पार्षदों ने इस्तीफा दे दिया है। इस राजनीतिक उथल-पुथल ने भाजपा को उन नगर निकायों में अपनी पकड़ मजबूत करने का अवसर दिया है जो काफी हद तक तृणमूल के नियंत्रण में हैं। संकट इतना गंभीर हो गया है कि अगले साल होने वाले नगर निगम चुनावों से पहले ही कई नगर निगम बोर्डों को भंग किया जा सकता है। आजतक बांग्ला के अनुसार, ऐसी अटकलें लगाई जा रही हैं कि ममता के करीबी सहयोगी और कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम ने इस्तीफा देने की इच्छा जताई है। हालांकि ममता ने हाल ही में पार्षदों से इस्तीफा न देने का आग्रह किया था, लेकिन बंगाल के नगर निकायों में उथल-पुथल के संकेत लगभग हर दिन सामने आ रहे हैं। निस्संदेह, यह तृणमूल के लिए सबसे गंभीर संकट है, जब से ममता ने 1998 में कांग्रेस से अलग होकर पार्टी बनाई थी। पहले के मौकों पर, ममता ने एकजुटता बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई थी। लेकिन अब हालात अलग हैं। सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा यह स्पष्ट किए जाने के बाद इस्तीफे की लहर शुरू हुई कि स्थानीय निकायों की पिछली गतिविधियों की गहन जांच की जाएगी और उसके अनुसार कार्रवाई की जाएगी। कुछ नगरपालिकाओं में, टीएमसी पार्षदों ने अपने कार्यालयों में जाना पूरी तरह बंद कर दिया है। शहरी विकास और नगरपालिका मामलों (यूडीएमए) की मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने कहा कि सरकार ने ऐसे निकायों में प्रशासकों की नियुक्ति शुरू कर दी है। भ्रष्टाचार और जबरन वसूली के आरोपों में टीएमसी से जुड़े पार्षदों की सिलसिलेवार गिरफ्तारियों ने तनाव को और बढ़ा दिया है। पिछले हफ्ते, जबरन वसूली और धमकी देने के आरोपों में तीन पार्षदों को गिरफ्तार किया गया था। 23 मई को दक्षिण दमदम के प्रभावशाली तृणमूल पार्षद संजय दास की रहस्यमय मौत ने चिंता का माहौल और गहरा दिया है। दास, जो तृणमूल नेता देबराज चक्रवर्ती के करीबी माने जाते थे और जिन पर भ्रष्टाचार और जबरन वसूली के आरोप थे, पिछले हफ्ते फांसी पर लटके पाए गए थे।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

जैविक खेती को बढ़ाने पर भी देना होगा ध्यान

> “ एक बात तो लगभग सबके संज्ञान में आ गई है कि रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग के कारण खेतों की मिट्टी की उपजाउ क्षमता प्रभावित हो रही है तो भूजल का अत्यधिक दोहन होने से भू जल स्तर तेजी से नीचे जा रहा है वहीं रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के कारण खतरनाक स्तर पर प्रदूषित हो रहा है।

जिस तरह से दुनिया में हालात बन गए हैं। उससे ऐस लगता जो देश अन्य देशों पर कुछ जरूरी वस्तुओं के लिए निर्भर हैं वे परेशानी में आ सकते हैं। उनमें भारत सबसे पहले है। भारत जहां तेल, गैस व सोना के आयात लिए मजबूर है। वैसे ही उर्वरकों के लिए भी। अब ऐसे में चर्चा हो रही है कि बायो फर्टिलाइजर यानि गोबर या जैविक पदार्थों को खेती में प्रयोग केलिए बढ़ावा दिया जाए। एक बात तो लगभग सबके संज्ञान में आ गई है कि रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग के कारण खेतों की मिट्टी की उपजाउ क्षमता प्रभावित हो रही है तो भूजल का अत्यधिक दोहन होने से भू जल स्तर तेजी से नीचे जा रहा है वहीं रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के कारण खतरनाक स्तर पर प्रदूषित हो रहा है। जैविक विविधता प्रभावित हो रही है तो खेती के सहायक कीटनाशकों का अस्तित्व ही समाप्त होने को है। इसके अलावा खाद्यान्नों के विषैला होने व इन खाद्यान्नों के उपयोग से बीमारियों का दायरा तेजी से बढ़ता जा रहा है।

इतना सबकुछ होने के बावजूद रासायनिक उर्वरकों के उपयोग में दिन प्रतिदिन बढ़ोतरी ही हो रही है। 2025-26 के आंकड़ों की ही बात करें तो यूरिया में 138 प्रतिशत, डीएपी के उपयोग में 94 प्रतिशत और एनपीके के उपयोग में 83 प्रतिशत के आसपास बढ़ोतरी हुई है। ऐसे में प्रधानमंत्री के आग्रह के निहितार्थ को समझना होगा। प्रधानमंत्री का आग्रह इस मायने में बहस का मुद्दा नहीं होना चाहिए कि सरकार देश की जरुरतों को पूरा नहीं कर पा रही। अपितु गंभीर चिंतन की बात यह है कि हम परंपरागत खेती या जैविक खेती को बढ़ावा देकर आने वाली पीढ़ी और जल-मिट्टी, वायु के प्रदूषण को कम करने में भागीदार बन सकते हैं। केवल 10 प्रतिशत फर्मिंटेड खाद मिलाने से ही बहुत बड़ा सकारात्मक बदलाव देखा जा सकता है। 50 प्रतिशत तक आयात निर्भरता कम की जा सकती है। आज हम रुस, ओमान, सउदी अरब, मोरक्को, चीन आदि पर उर्वरकों के आयात के लिए निर्भर है। और अरबो डालर आयात पर खर्च करके भी प्रदूषण और सेहत से खिलवाड़ पा रहे हैं। हांलाकि आज अमेरिका-ईरान युद्ध के कारण प्रधानमंत्री के आसन्न संकट को देखते हुए दूरदृष्टि पूर्ण 7 आग्रहों को प्रतिपक्ष आलोचना के स्तर पर ले रहा है पर यह नहीं भूलना चाहिए कि पीएम प्रणाम कार्यक्रम जून 23 से चलाया जा रहा है तो पीएमबीजेयूआर कार्यक्रम जो कि खेत की मिट्टी की जांच से जुड़ा कार्यक्रम है वर्षों से जारी है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

सरकारी स्कूलों की आपराधिक उपेक्षा क्यों

विश्वनाथ सचदेव

स्कूली शिक्षा प्रणाली के संदर्भ में 'नीति' आयोग ने एक विस्तृत रिपोर्ट जारी की है। यह विडंबना ही है कि 'नीट' की परीक्षा में हुई धांधली की धूल में नीति-आयोग की यह रिपोर्ट कहीं खो सी गयी है। इस रिपोर्ट के कुछ आंकड़े सिर्फ चौंकाते ही नहीं, परेशान भी करते हैं। जैसे, यह रिपोर्ट बताती है कि देश में सरकारी और निजी स्कूलों की स्थितियों का अंतर शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र की उपेक्षा को ही उजागर नहीं करता, बल्कि यह भी बता रहा है कि देश के भविष्य को लेकर हमारी चिंताएं कितनी खोखली हैं। प्रधानमंत्री एक से अधिक अवसरों पर अपने भाषणों में इस आशय के दावे कर चुके हैं कि देश शिक्षा के क्षेत्र में बहुत तेजी से विकास कर रहा है। मसलन, एक भाषण में उन्होंने कहा था कि देश में प्रति सप्ताह एक नया विश्वविद्यालय खुल रहा है, हर रोज एक नया कॉलेज खुल रहा है।

प्रधानमंत्री आईआईटी और आईआईएम के विस्तार के दावे भी कर चुके हैं। लेकिन नीति-आयोग की यह रिपोर्ट शिक्षा क्षेत्र की बुनियादी कमजोरियों को उजागर कर रही है। पिछले एक दशक के विश्लेषण पर आधारित यह रिपोर्ट बता रही है कि हमने शिक्षा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र को सरकारी और गैर-सरकारी में बांटकर समूची शिक्षा प्रणाली पर सवालिया निशान लगा दिये हैं। नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार देश के एक लाख 19 हजार सरकारी स्कूलों में बिजली नहीं है; 98,592 स्कूलों में लड़कियों के लिए शौचालय नहीं है; चौदह हजार से अधिक स्कूलों में पीने का पानी नहीं है; एक लाख से अधिक स्कूलों में सिर्फ एक अध्यापक एक से अधिक कक्षाओं को पढ़ा रहा है। रिपोर्ट में ऐसे और भी कई आंकड़े हैं जो यह बताते हैं कि शिक्षा जैसे बुनियादी क्षेत्र में हम किस तरह की आपराधिक उपेक्षा बरत रहे हैं। उदाहरण के लिए सन 17 और 24 के बीच देश में 87० से अधिक सरकारी स्कूल बंद हो गये, इसकी तुलना में निजी स्कूलों की जैसे बाढ़-सी आ रही है। यह सही है कि हाल के कुछ सालों में, विशेष कर कोरोना-काल के बाद सरकारी स्कूलों में दाखिला लेने वालों की संख्या कुछ बढ़ी है, पर इसका कारण शिक्षा का स्तर नहीं, अभिभावकों की आर्थिक विवशता कहीं अधिक है।

वैसे, यह भी एक विडंबना ही है कि आज देश में हमारी शिक्षा भी गरीब और अमीर में बंट गयी है। मान लिया गया है कि आर्थिक अभावों से जूझ रहे परिवारों के बच्चों की विवशता है कि वे सरकारी स्कूलों में जाएं जहां पढ़ाई

लगभग मुफ्त होती है। आर्थिक स्थिति जरा-सी भी सुधरती है तो यह अभिभावक महंगे स्कूलों की ओर रुख कर लेते हैं। शिक्षा के क्षेत्र का यह बंटवारा हमारी प्राथमिक चिंता होनी चाहिए। स्कूलों में प्राथमिक स्तर पर ही विद्यार्थियों को 'छोटे-बड़े' का अहसास दिलाने वाली हमारी शिक्षा-नीति एक तरह से शिक्षा के अधिकार के हमारे दावों को ही झुठला रही है। हम देश के हर बच्चे के शिक्षा के अधिकार की बात तो करते हैं, पर किस प्रकार की शिक्षा दी जा रही है इस बारे में शायद सोचना ही नहीं चाह रहे। सन 21-22 में हुए एक सर्वेक्षण के अनुसार देश में 1०,22,386 सरकारी और 3,35,844 निजी स्कूल हैं। यहां निजी स्कूल का मतलब महंगी पढ़ाई और बेहतर सुविधा है। यह कतई जरूरी नहीं है कि महंगी पढ़ाई का मतलब अच्छी पढ़ाई ही हो- हां, इन स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे और पढ़ाने वाले अभिभावक यह अहसास अवश्य जीते हैं कि उनका स्तर 'ऊंचा' है। शिक्षा के क्षेत्र में इस तरह के बीमार सोच का पालन उन सबके लिए चिंता की बात होनी चाहिए जो समता-समानता के दर्शन वाले संविधान के प्रति निष्ठा रखते हैं। 'पढ़ेगा इंडिया बढ़ेगा इंडिया' का नारा देने वाले को इस बात की भी चिंता होनी चाहिए कि 'इंडिया' क्या पढ़ रहा है? कैसी पढ़ाई कर रहा है। दुर्भाग्य से यह चिंता कहीं दिखाई नहीं देती। नीति-आयोग की इस महत्वपूर्ण रिपोर्ट में हमारे स्कूलों की स्थितियों को तो अच्छे ढंग से दिखाया गया है, पर जिस तरह से यह रिपोर्ट अचर्चित ही रही है, वह हमारी चिंता का विषय होना चाहिए। आखिर हमें दो तरह की शिक्षा की आवश्यकता क्यों है? क्यों नहीं देश के हर बच्चे को एक समान और अच्छे स्तर की शिक्षा मिलनी चाहिए? हमारा छोटा-सा पड़ोसी देश नेपाल भी हमें कुछ सिखा सकता है।

सुना है नेपाल की नई सरकार ने हाल ही में देश के सारे निजी स्कूलों को बंद करने का निर्णय लिया है। वहां यह व्यवस्था की जा रही है कि सारी शिक्षा सरकारी स्कूलों के माध्यम से दी जाये ताकि सब बच्चे एक जैसे स्तर की शिक्षा पा सकें। शिक्षा का अधिकार जितना जरूरी है, उससे कम जरूरी नहीं है शिक्षा का समुचित अवसर मिलना। शिक्षा को निजी और सरकारी में बांटने का मतलब अवसर की समानता के अधिकार को नकारना है। जरूरी है कि स्कूली शिक्षा प्रणाली और गुणवत्ता संवर्धन का विश्लेषण करने वाली इस रिपोर्ट पर देश में गहरा और व्यापक चिंतन हो।

हर समस्या देती है सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन का अवसर

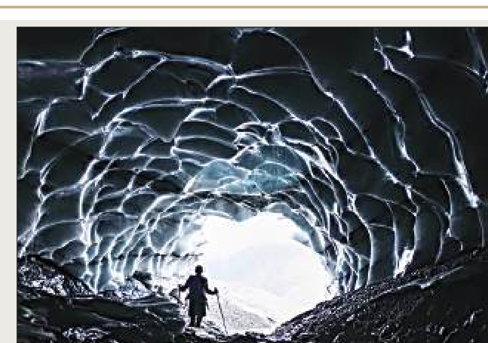

सही मायने में मैदान पर डटे रहने में ही असली सुख है। विपरीत परिस्थितियां होने पर भी जो मैदान छोड़ने से इंकार कर देता है, तो फिर विपरीत परिस्थितियां ही उसके लिए प्रगति, खुशी और सुख की नींव रचती हैं।

डॉ. रेणु सैनी

अगर किसी से पूछा जाए कि दुनिया में क्या चल रहा है, तो असंख्य लोग बिना सोचे-समझे बोल देंगे कि 'आतंकवाद, हिंसा, युद्ध, अराजकता, उन्माद और बेरोजगारी ने जीवन मुश्किल कर दिया है।' जब असंख्य लोगों की सोच नकारात्मक पहलुओं को लेकर एक जैसी हो जाती है, तो यह चिंता का विषय बन जाती है। धरती पर विविध प्राणी निवास करते हैं। यह वसुधा प्राणियों के लिए एक ऐसा आंचल है, जिसकी छांव तले वे अपने परिवार के साथ जीवनयापन करते हैं। मगर जब उस आंचल पर आंच आने लगे, तो निस्संदेह डरना स्वाभाविक है। ऐसे में क्या किया जाए? क्या पूरी तरह निराश होकर बैठा जाए या फिर अंध-आशावाद में दिनों को गिना जाए? इन दोनों ही तरीकों को अपनाने से मुश्किलें बढ़ेंगी, मगर हां, इन दोनों के बीच के तरीके को अपनाकर वसुधा के आंचल को बचाया जा सकता है।

वह बीच का रास्ता है 'मेलियोरिज्म'। मेलियोरिज्म एक ऐसा विचार है, जो कहता है कि दुनिया को मानवीय प्रयासों से बेहतर बनाया जा सकता है। सरल शब्दों में कहें तो मेलियोरिज्म आशावाद और निराशावाद के बीच का मार्ग है, जिससे ही दुनिया को बेहतर बनाया जा सकता है। जब व्यक्ति 'सक्रिय सुधारवाद' की ओर बढ़ेगा, तो खुशियों की नदियों को हर ओर फैलाया जा सकता है। हमारे बीच कई ऐसे व्यक्तित्व हैं, जिन्होंने नई सोच से 'मेलियोरिज्म' शब्द को सार्थक कर दिया और समाज में अपनी एक अनूठी पहचान बनाई। सुनील जागलान एक ऐसे ही व्यक्तित्व हैं। वे बीबीपुर गांव के सरपंच थे। वर्ष 2012 में जब उनके यहां बेटी हुई, तो अस्पताल में नर्सों ने उनकी बेटी के जन्म पर मिठाई लेने से इनकार कर दिया। इसके बाद उन्होंने लड़कियों के अधिकारों के लिए लड़ने का निर्णय कर लिया। उन्होंने 'सेल्फी विद डॉटर' अभियान शुरू किया।

उनका यह अभियान धीरे-धीरे हरियाणा के कई गांवों में फैल गया। लोगों ने महसूस किया कि सचमुच बेटियों को आगे बढ़ाने का जज्बा उनमें भी नई उमंगें जगा देता है। धीरे-धीरे 'सेल्फी विद डॉटर' अभियान नए-नए रूप लेकर आगे बढ़ रहा है। हरियाणा में ही एक गांव है — खेड़ा गनी। इस गांव में शिक्षित लड़कियों की नेमप्लेट उनके घर-आंगन में सजने लगी है और हर घर की पहचान वहां की लड़की के नाम से होने लगी है। 'बेटी हूं बेटी बोलो' अभियान ने भी लोगों को जागरूक किया।

बेटियों का भी अपना अस्तित्व होता है। ऐसे में उन्हें बेटा कहकर क्यों पुकारा जाए? उनके इन अभियानों ने लोगों की सोच को बदल दिया। अब लोगों ने अपनी लड़कियों के 'भतेरी', 'काफी', 'अंतिम' जैसे नाम भी रखने बंद कर दिए हैं। इसी तरह के छोटे प्रयास नए बदलाव की लहर लाते हैं और पुरानी कुप्रथाएं बंद हो जाती हैं। इस विचार को हर कोई अपने जीवन में उतार सकता है। उसके लिए बस स्वयं के साथ कुछ संकल्प लेने हैं, जैसे— निरंतर प्रगति की ओर बढ़ते रहें— आज प्रत्येक व्यक्ति 'शॉर्टकट' अपनाकर सफलता पाना चाहता है, मगर सफलता का कोई 'शॉर्टकट' नहीं होता। लगातार और रोज थोड़ा-थोड़ा प्रयास करते रहें। फिर सफलता की सीढ़ी अपने आप खड़ी होती जाती है। एक दिन व्यक्ति को विजय की सीढ़ी पर होता है। समस्याओं को अवसर के रूप में देखें— जब व्यक्ति हर काम को समस्या मानने लग जाता है, तो वास्तव में समस्या उत्पन्न हो जाती है। समस्या अवसर का दूसरा रूप होती है। ड्यूक एलिंगटन का कहना है कि 'समस्या आपके लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का अवसर है।'

इसलिए इस अवसर को सहजता, धैर्य और विश्वास के साथ हल करें। जब एक बार आप समस्या को अवसर के रूप में देखना शुरू कर देंगे, तो फिर समस्या कभी उत्पन्न ही नहीं होगी। वह आपके पास अवसर का रूप लेकर आएगी और आपको दिन-प्रतिदिन बेहतर बनाएगी। अक्सर कई लोग इसलिए हार मान जाते हैं क्योंकि वे कार्य करते समय पूर्ण एकाग्र नहीं होते। एकाग्रता ही सर्वश्रेष्ठ कार्य की कुंजी है। टॉम कॉनेलन अपनी पुस्तक 'एक प्रतिशत फॉर्मूला' में कहते हैं कि 'शीर्ष 1 प्रतिशत लोगों को अलग करने वाली चीज यह है कि वे दिन भर एकाग्र प्रयास और नियोजित स्वास्थ्य-लाभ की अवधियों का चक्र चलाते हैं।' सही मायने में मैदान पर डटे रहने में ही असली सुख है। विपरीत परिस्थितियां होने पर भी जो मैदान छोड़ने से इंकार कर देता है, तो फिर विपरीत परिस्थितियां ही उसके लिए प्रगति, खुशी और सुख की नींव रचती हैं। बस इसके लिए थोड़ा-सा अपने व्यक्तित्व को 'मेलियोरिज्म' में ढालना होता है।

तपती गर्मी में शरीर को ठंडक पहुंचाएंगी ये चीजें

एनसीआर सहित कई राज्य इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में हैं। बढ़ता तापमान संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है। उच्च तापमान, धूप की चपेट में आने के कारण हीट स्ट्रोक से लेकर ब्लड प्रेशर बढ़ने, हृदय गति में असमानता, डायबिटीज की समस्या सहित कई प्रकार की दिक्कतें हो सकती हैं। इन स्वास्थ्य समस्याओं से बचे रहने के लिए जरूरी है कि आप शरीर के तापमान को नियंत्रित करते रहने के निरंतर प्रयास करते रहें। आहार में कुछ चीजों को शामिल करना इसमें आपके लिए फायदेमंद हो सकता है। उनमें पानी की मात्रा अधिक होती है। अपने हाइड्रेटिंग गुणों के कारण इनका सेवन शरीर को ठंडक पहुंचाने और गर्मी के कारण होने वाली समस्याओं से बचाने में मददगार हो सकता है।

हीट स्ट्रोक का बढ़ जाता है खतरा

हीट स्ट्रोक गर्मियों में होने वाली सामान्य समस्या है। इसमें शरीर का तापमान 104 डिग्री से अधिक बना रहता है। शरीर को प्राकृतिक रूप से ठंडा करने वाले पसीने के तंत्र फेल हो जाते हैं जिसके कारण तेज गर्मी के बावजूद भी पसीना नहीं आता है। हीट स्ट्रोक के कारण चक्कर आने, पाचन में गड़बड़ी से लेकर रक्तचाप से संबंधित विकारों का खतरा भी बढ़ जाता है। हीट स्ट्रोक से बचे रहने के लिए भी शरीर को शीतलता प्रदान करने वाली चीजों को आहार का हिस्सा बनाना जरूरी माना जाता है।

पिएं नारियल पानी

नारियल पानी इलेक्ट्रोलाइट्स से भरपूर होता है। ये शरीर में पानी की कमी को दूर करने के साथ तरल पदार्थों के संतुलन को बनाए रखने में भी मददगार पेय है। नारियल पानी में सोडियम, पोटेशियम, मैग्नीशियम सहित शरीर के लिए आवश्यक कई प्रकार के लाभकारी पोषक तत्वों की श्रृंखला होती है। रोजाना नारियल पानी पीने से गर्मी के कारण होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं के जोखिमों से आसानी से बचाव किया जा सकता है।

जरूर खाएं खीरा-तरबूज

खीरे में पानी की मात्रा अधिक होती है, जो शरीर को हाइड्रेट रखने और तापमान को नियंत्रित करने में मदद करता है। इसी तरह से पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स से भरपूर तरबूज के सेवन से आप न सिर्फ शरीर को ठंडा रख सकते हैं साथ ही ये डिहाइड्रेशन से सुरक्षा देने में भी लाभकारी है। खीरा और तरबूज में कई प्रकार के एंटीऑक्सीडेंट्स की भी मात्रा होती है जो शरीर में इंफ्लामेशन को कम करने और गंभीर बीमारियों से बचाने में फायदेमंद है।

शरीर को ठंडा रखता है पुदीना

पुदीने में मेन्थॉल होता है जो शरीर का ठंडक का एहसास कराने में मददगार है। पानी, चाय, सलाद या स्मूदी में ताजी पुदीने की पत्तियां मिलाकर इसका सेवन करने से न सिर्फ आप गर्मी के कारण होने वाली स्वास्थ्य समस्याओं से बचे रह सकते हैं साथ ही ये पाचन स्वास्थ्य को ठीक रखने में भी सहायक है। कब्ज-अपच जैसी दिक्कतों में भी पुदीने की पत्तियों के सेवन से लाभ पाया जा सकता है। पुदीना का उपयोग पाचन संबंधी समस्याओं में किया जाता है। पेट दर्द होने पर भी पुदीने को जीरा, काली मिर्च और हींग के साथ मिलाकर खाने से आराम मिलता है। पुदीना अपनी ठंडी तासीर के लिए जाना जाता है। खीरे की तरह ही पुदीना भी त्वचा को मॉश्चराइज करने के काम आता है। पुदीने की पत्तियों के रस को चेहरे पर लगाने से त्वचा को ताजगी और नमी मिलती है। पुदीने की पत्तियों के रस को दही या शहद के साथ मिलाकर लगाना बहुत फायदेमंद होता है। एलर्जी में पुदीना बेहद लाभकारी होता है। नाक, आंख से जुड़ी एलर्जी में यह बेहद कारगर है। यह दिमाग को शांत रखती है और तनाव से भी दूर करती है।

हंसना मना है

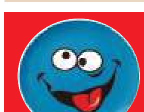

5 साल का बच्चा- आई लव यू मां, मां- आई लव यू टू बेटा! 16 साल का लड़का - आई लव यू मॉम, मां- सॉरी बेटा, पैसे नही है! 25 साल का लड़का- आई लव यू मां, मां- कौन है वो चुड़ैल? कहां रहती है? 35 साल का आदमी- आई लव यू मां, मां- बेटा मैंने पहले ही बोला था, उस लड़की से शादी मत करना! और सबसे बढ़िया। 55 साल का आदमी- आई लव यू मां, मां- बेटा, मैं किसी भी कागज पर साइन नहीं करूंगी!

फ्रेंड- यार तुम्हारी दुकान मिठाई की है, तो क्या तुम्हारा दिल नहीं करता, मिठाई खाने को? संता- यार करता तो बहुत है, लेकिन पापा रसगुल्ले गिन के जाते है, तो। इसलिए, चूसकर रख देता हूं।

हम हमेशा दो लोगों के लिए अगरबत्ती लगाते है, एक भगवान के लिए, उन्हें बुलाने के लिए और दूसरी अगरबत्ती मच्छर के लिए, उन्हें भगाने के लिए। पर होता उसके बिलकुल उलटा है। भगवान आते नहीं है और मच्छर है कि जाते नहीं है।

अर्ज किया है, फिजा में महकती शाम हो तुम, प्यार का पहला जाम हो तुम, और क्या कहे जानम तुम्हारे बारे में, खर्चे का दूसरा नाम हो तुम।

कहानी | निंदा से सदैव बचना चाहिए

एक राजा प्रतिदिन 100 अंधे लोगों को खीर खिलाता था। एक दिन दूध में सांप ने मुंह डाल दिया और जहरीली खीर को खाकर सभी अंधे मर गए। राजा बहुत परेशान हुआ कि मुझे 100 आदमियों की हत्या का पाप लगेगा। राजा राज्य को छोड़कर जंगलों में भक्ति करने के लिए चल पड़ा, ताकि इस पाप की माफी मिल सके। एक गांव में चौपाल में बैठे लोगों से पूछा कि क्या इस गांव में कोई भक्ति भाव वाला परिवार है? ताकि उसके घर रात काटी जा सके। लोगों ने बताया कि दो बहन भाई रहते हैं जो खूब बंदगी करते हैं। राजा उनके घर रात ठहर गया। सुबह जब राजा उठा तो लड़की ध्यान पर बैठी हुई थी। उसके बाद नाश्ता तैयार करती थी। लेकिन उस दिन वह लड़की बहुत देर तक ध्यान पर बैठी रही। भाई ने कहा की बहन घर मुसाफिर आया हुआ है। इसे नाश्ता करके दूर जाना है। तुझे ध्यान से जल्दी उठना चाहिए था। तो लड़की बोली भैया ऊपर एक ऐसा मामला उलझा हुआ था। धर्मराज को किसी उलझन भरी स्थिति पर कोई फैसला लेना था और मैं वो फैसला सुनने के लिए रुक गयी थी, इस लिए देर तक बैठी रही। लड़की ने बताया कि एक राजा अंधे व्यक्तियों को खीर खिलाया करता था। लेकिन सांप के दूध में विष डालने से 100 अंधे व्यक्ति मर गए। अब धर्मराज को समझ नहीं आ रही कि अंधे व्यक्तियों की मौत का पाप राजा को लगे, सांप को लगे या दूध नंगा छोड़ने वाले रसोईए को लगे। राजा को लड़की ने बताया कि अभी तक कोई फैसला नहीं हो पाया था। तो राजा ने पूछा कि क्या मैं आपके घर एक रात के लिए और रुक सकता हूं? दोनों ने हां कर दी। लेकिन चौपाल में बैठे लोग यही चर्चा करते रहे कि कहीं जो कल व्यक्ति आया था वह भक्ति का नाटक तो नहीं कर रहा। इसलिए वह जवान लड़की के घर पक्के तौर पर ही ठहरेगा। दिनभर चौपाल में राजा की निंदा होती रही। सुबह लड़की फिर ध्यान पर बैठी। तो राजा ने पूछा- बेटी अंधे व्यक्तियों की हत्या का पाप किसको लगा? तो लड़की ने बताया- वह पाप तो हमारे गांव के चौपाल में बैठने वाले लोग बांट के ले गए। निंदक हमेशा दुसरों के पाप अपने सर पर ढोता रहता है। और दूसरों द्वारा किये गए उन पाप-कर्मों के फल को भी भोगता है। अत: हमें सदैव निंदा से बचना चाहिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
आय में वृद्धि तथा उन्नति मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। पार्टनरों का सहयोग समय पर प्राप्त होगा। यात्रा की योजना बनेगी। घर-बाहर कुछ तनाव रहेगा।

वृषभ
पार्टी व पिकनिक का कार्यक्रम बनेगा। स्वादिष्ट व्यंजनों का लाभ मिलेगा। काम में मन लगेगा। व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल रहेंगे। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे।

मिथुन
वाणी पर नियंत्रण रखें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। लाभ होगा। कुसंगति से बचें।

कर्क
आत्मसम्मान बना रहेगा। उत्साहवर्धक सूचना प्राप्त होगी। बड़ा काम करने का मन बनेगा। परिवार के सदस्यों की उन्नति के समाचार मिलेंगे। प्रसन्नता रहेगी।

सिंह
मित्रों का सहयोग व मार्गदर्शन प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। यात्रा की योजना बनेगी। प्रसन्नता रहेगी। घर-बाहर प्रसन्नतादायक वातावरण रहेगा।

कन्या
काम में लगन तथा उत्साह बने रहेंगे। मित्रों के साथ प्रसन्नतापूर्वक समय बीतेगा। यात्रा मनोनुकूल मनोरंजक तथा लाभप्रद रहेगी। भेंट व उपहार की प्राप्ति संभव है।

तुला
आय में निश्चितता रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। जल्दबाजी न करें। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। बनते कामों में विघ्न आएंगे। चिंता तथा तनाव रहेंगे।

वृश्चिक
व्यवसाय ठीक चलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता बनी रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा मनोरंजक रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे।

धनु
सामाजिक कार्य सफल रहेंगे। मान-सम्मान मिलेगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। घर-बाहर प्रसन्नता का माहौल रहेगा। पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा।

मकर
किसी राजनयिक का सहयोग मिल सकता है। लाभ के दरवाजे खुलेंगे। किसी जानकार प्रबुद्ध व्यक्ति का सहयोग प्राप्त होने के योग हैं। तंत्र-मंत्र में रुचि रहेगी।

कुम्भ
ऐश्वर्य के साधनों पर बड़ा खर्च होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। चोट व दुर्घटना से बचें। आय में कमी रह सकती है। घर-बाहर असहयोग व अशांति का वातावरण रहेगा।

मीन
किसी वरिष्ठ व्यक्ति के सहयोग से कार्य की बाधा दूर होकर लाभ की स्थिति बनेगी। परिवार के लोग अनुकूल व्यवहार करेंगे। नए लोगों से संपर्क होगा।

हालीवुड | बायोपिक

करियर के दिनों में शरीर और लुक्स को लेकर मिलते थे अजीब रिएक्शन : हुमा

हुमा कुरैशी इन दिनों अपनी फिल्मों के अलावा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी अक्सर चर्चाओं में रहती हैं। हाल ही में हुमा ने अपने करियर के शुरुआती दिनों में अपने लुक्स और शक्ल-सूरत को लेकर मिले निगेटिव रिएक्शन पर खुलकर बात की। एक्ट्रेस ने बताया कि इस तरह के कमेंट्स से उनका मनोबल भी कम हुआ था। हाल ही में हुमा कुरैशी नेहा धूपिया और अंगद बेदी द्वारा होस्ट किए जाने वाले चैट शो डबल डेट के हालिया एपिसोड में नजर आईं। हुमा अपने भाई और अभिनेता साकिब सलीम के साथ शो में शामिल हुईं। इस दौरान हुमा ने ट्रोलिंग और बॉडी शेमिंग से निपटने के अपने अनुभव के बारे में बात की। एक्ट्रेस ने कहा कि मेरी दूसरी फिल्म के बाद मुझे अपने रूप-रंग और लुक्स के बारे में बहुत सारी निगेटिव प्रतिक्रियाओं का सामना करने को मिला। इसने मुझे बहुत प्रभावित किया और मैं कुछ समय के लिए काफी निराश हो गई थी और एक बार को खुद गिव अप कर दिया था। मुझे लगता है कि जब लगातार आपको जज किया जाता है, तो यह आपके आत्मविश्वास को प्रभावित करने लगता है। इस दौरान हुमा ने अपनी इनसिक्योरिटीज और ऑनलाइन ट्रोलिंग से निपटने के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि कैसे समय के साथ उन्होंने खुद पर विश्वास करना शुरू किया। हुमा ने कहा कि समय के साथ मुझे एहसास हुआ कि मुझे बाहरी शोर से दूर रहकर खुद पर ध्यान देना होगा। मैंने ध्यान करना, अपनी फीलिंग्स को लिखना, डायरी लिखना और यहां तक कि थेरेपी लेना शुरू किया। धीरे-धीरे मैं खुद को और अपने रूप-रंग को लेकर कॉन्फिडेंट होने लगी। आज मैं जोक्स पर हंस सकती हूं, यहां तक कि खुद पर भी जोक सुना सकती हूं और चीजों को बहुत पॉजिटिव तरीके से लेती हूं। अब मैं अपने आप में कहीं अधिक आत्मविश्वासी और कंफर्टेबल फील करती हूं।

15 जून को रिलीज होगा सनी देओल की फिल्म 'बंटवारा 1947' का टीजर

बॉलीवुड | मसाला

सनी देओल की फिल्म बंटवारा 1947 इन दिनों खबरों में हैं। फिल्म का पहले नाम लाहौर 1947 था, लेकिन फिर बंटवारा 1947 नाम रखा गया। हालांकि, फिल्म के ऑफिशियल नेम को लेकर अभी तक कोई कंफर्मेशन नहीं आई है। इसी बीच अब खबरें हैं कि इस पीरियड ड्रामा का टीजर इसी महीने रिलीज होने वाला है।

पिंकविला ने सोर्स के हवाले से लिखा, टीजर में जबरदस्त ड्रामा, इमोशन्स है। आमिर खान ने नरेशन के लिए वॉइस ओवर किया है और उनकी आवाज को बहुत इम्पैक्ट होगा। फिल्म के टीजर के 15 जून को रिलीज होने की खबरें हैं।

बता दें कि फिल्म के टीजर की रिलीज को लेकर ऑफिशियल कंफर्मेशन नहीं हुई है। फिल्म में सनी देओल लीड रोल में हैं। आमिर खान फिल्म को प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म में प्रीति जिंटा सनी देओल के अपोजिट रोल में है। वहीं राजकुमार संतोषी फिल्म को बना रहे हैं। राजकुमार संतोषी इससे पहले घायल, दामिनी और घातक जैसी फिल्में बना चुके हैं।

अब बंटवारा 1947 को लेकर काफी चर्चा है। पिंकविला ने लिखा- फिल्म का टीजर कट हो गया है। टीजर में इमोशन और देशभक्ति देखने को मिलेगी। फिल्म को इंडिपेंडेंस डे पर रिलीज करने की खबरें हैं। बता दें कि मेकर्स ने कहानी के बारे में ज्यादा कुछ नहीं बताया है। लेकिन कहा जा रहा है कि बंटवारा 1947 में भारत के बंटवारे के बैकड्रॉप पर कहानी दिखाई जाएगी।

फिल्म में अली फजल और शबाना आजमी जैसे स्टार्स भी नजर आएंगे। राजकुमार संतोषी ने फिल्म के बारे में बात करते हुए कहा था, सनी और मैं लंबे समय से फिल्म बनाने की कोशिश कर रहे थे लेकिन कुछ भी काम नहीं कर रहा है। लेकिन अब मैं कह सकता हूं कि ये फिल्म घायल, दामिनी और घातक से भी बड़ी होगी। हम स्टूडियो में लाहौर सिटी का सेट क्रिएट कर रहे हैं। ये सेट स्टोरी का पार्ट है और फिल्म का बड़ा हिस्सा वहां शूट होगा।

अनन्या और लक्ष्य की फिल्म 'चांद मेरा दिल' ने अब तक कर डाली 26 करोड़ रुपये की कमाई

विवेक सोनी की फिल्म चांद मेरा दिल में लक्ष्य और अनन्या पांडे ने लीड रोल प्ले किया है। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर अपना पहला हफ्ता पूरा कर लिया है। मिले-जुले रिव्यू, लिमिटेड प्रमोशन और टिकट खिड़की पर कड़े कंपीटीशन के बावजूद, करण जौहर द्वारा प्रोड्यूस इस रोमांटिक ड्रामा ने शुरुआती सात दिनों में देश और दुनियाभर में ठीक परफॉर्म किया है। चलिए यहां जानते हैं चांद मेरा दिल के 7वें दिन की कमाई जानते हैं। चांद मेरा दिल अब बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ मजबूत करती नजर आ रही है। इस फिल्म ने रिलीज के छठे दिन 1.90 करोड़ का कलेक्शन किया था। लेकिन 7वें दिन इसकी कमाई में काफी तेजी देखी गई है। सैकनिल्क के आंकड़ों के मुताबिक, चांद मेरा दिल ने बुधवार, छठे दिन के मुकाबले सातवें दिन (गुरुवार) को 15.8 प्रतिशत के उछाल के साथ 3713 शो में 2.20 करोड़ रुपये कमाए हैं। इसी के साथ फिल्म का भारत में ग्रॉस कलेक्शन अब 22.98 करोड़ रुपये हो गया है, जबकि इसके 7 दिनों का भारत में नेट कलेक्शन 19.45 करोड़ रुपये हुआ है। वहीं विदेशों में, अनन्या पांडे और लक्ष्य स्टारर इस फिल्म ने सातवें दिन 15 लाख रुपये कमाए, जिससे इसका कुल विदेशी ग्रॉस कलेक्शन लगभग 3.05 करोड़ रुपये हो गया है। इसी के साथ इस फिल्म ने दुनियाभर में सात दिनों में 26.03 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर डाला है। फिल्म में लक्ष्य ने आरव की भूमिका निभाई है जबकि अनन्या पांडे ने चांदनी का किरदार निभाया है। वहीं आस्था सिंह ज्योत्सना की भूमिका में हैं। सपोर्टिंग कलाकारों में प्रथम राठौड़, आशीष दुबे, अंकुर पोद्दार और एल्विस जोस शामिल हैं। विवेक सोनी द्वारा निर्देशित और करण जौहर के धर्मा प्रोडक्शंस बैनर तले निर्मित, इस फिल्म को एक रियलिस्टिक लव स्टोरी के तौर पर प्रेजेंट किया गया है।

अजब-गजब | धरती पर सबसे धीमे चलने वाले जीवों में शामिल है यह जीव

अपना पूरा घर अपने कंधे पर लेकर चलता है यह जीव, इसमें होते हैं नर और मादा दोनों अंग

प्रकृति ने कई अनोखे जीवों को जन्म दिया है, लेकिन घोंघा (स्नेल) उनमें सबसे खास है। यह छोटा सा जीव अपनी पीठ पर पूरा घर लेकर चलता फिरता है। जहां कहीं भी उसे खतरा महसूस होता है, तुरंत अपनी खोल में घुसकर दरवाजा बंद कर लेता है। इसके बाद कोई दुश्मन उसे नुकसान नहीं पहुंचा पाता। आज हम आपको इस नन्हे जीव से जुड़े रोचक और अमेजिंग फैक्ट्स बताने जा रहे हैं जो आपको हैरान कर देंगे। घोंघे की खोल उसके शरीर का हिस्सा होती है। यह कैल्शियम कार्बोनेट से बनी होती है। जैसे-जैसे घोंघा बड़ा होता है, उसकी खोल भी बड़ी होती जाती है। यह खोल उसे सुरक्षा प्रदान करती है। जब कोई पक्षी, सांप या कोई अन्य जानवर हमला करता है तो घोंघा तुरंत अपनी खोल में सिकुड़ जाता है और मुंह पर एक पतली झिल्ली बंद कर लेता है। यह उसका दरवाजा है जो उसे पूरी तरह सुरक्षित रखता है।

घोंघा धरती पर सबसे धीमे चलने वाले जीवों में शामिल है। इसकी गति सिर्फ 0.048 किलोमीटर प्रति घंटा होती है। यानी एक घंटे में वह मुश्किल से 48 मीटर चल पाता है। लेकिन प्रकृति ने इसे धीमापन के साथ अद्भुत सुरक्षा दी है। इतनी धीमी गति के बावजूद घोंघा लाखों साल से पृथ्वी पर सफलतापूर्वक जीवित है। घोंघा हर्माफ्रोडाइट होता है यानी इसमें नर और मादा दोनों अंग होते हैं। वह खुद से या दूसरे घोंघे से प्रजनन कर सकता है।

घोंघा अपनी खोल को छोड़कर नहीं रह सकता। अगर खोल टूट जाए तो वह मर सकता है। लेकिन कुछ प्रजातियां जरूरत पड़ने पर नई खोल बना लेती हैं। घोंघे की आंखें उसके एंटेना के सिरे पर होती हैं। वह रोशनी और अंधेरे का पता लगा सकता है लेकिन रंग नहीं देख पाता। घोंघा अपनी जीभ से खाना खाता है। इसकी जीभ पर हजारों छोटे-छोटे दांत होते हैं जो चीजों को काटने में मदद करते हैं। कुछ घोंघे समुद्र में रहते हैं और कुछ जमीन पर। समुद्री घोंघे ज्यादा रंग-बिरंगे और आकर्षक होते हैं। घोंघे पर्यावरण संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे सड़े-गले पत्तों, फलों और सब्जियों को खाकर प्राकृतिक सफाई कर्मी का काम करते हैं। इससे मिट्टी में पोषक तत्व वापस लौटते हैं। कई पक्षी, सांप और मेंढक घोंघों को अपना भोजन बनाते हैं।

यह है देश का सबसे ताकतवर गांव हर दूसरे घर से निकलते हैं पहलवान

आजकल फिटनेस का शौक हर किसी को है। कोई जिम जाकर बॉडी बनाना चाहता है तो कोई खुद को फिट और हेल्दी रखने के लिए घंटों मेहनत करता है। लेकिन क्या आपने कभी ऐसे गांव के बारे में सुना है, जहां फिटनेस सिर्फ शौक नहीं बल्कि लोगों की जिंदगी का हिस्सा हो? जहां सुबह की शुरुआत ही दंगल, एक्सरसाइज और भारी-भरकम वर्कआउट से होती हो। दक्षिण दिल्ली का असोला-फतेहपुर बेरी गांव कुछ ऐसा ही है। इस गांव की पहचान सिर्फ इसकी ताकतवर युवाओं से नहीं, बल्कि यहां के अनुशासन और मेहनत से भी होती है। यही वजह है कि लोग इसे बाउंसरों का गांव और भारत का सबसे ताकतवर गांव तक कहने लगे हैं। असोला-फतेहपुर बेरी में फिटनेस लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का अहम हिस्सा है। यहां के ज्यादातर युवा सुबह और शाम नियमित रूप से घंटों तक व्यायाम करते हैं। गांव में कई ऐसे अखाड़े और जिम मौजूद हैं, जहां हमेशा युवाओं की भीड़ दिखाई देती है। यहां के युवा जिम को मंदिर की तरह मानते हैं। यहां सिर्फ जिम की मशीनों से एक्सरसाइज नहीं होती, बल्कि पारंपरिक मिट्टी की कुश्ती भी बड़े उत्साह के साथ खेली जाती है। गांव के युवा खुद को मजबूत बनाने के लिए अलग-अलग तरह की कठिन ट्रेनिंग करते हैं। कोई मोटरसाइकिल उठाकर एक्सरसाइज करता नजर आता है, तो कोई ट्रैक्टर खींचकर अपनी ताकत बढ़ाने की प्रैक्टिस करता है। कई युवक एक-दूसरे को कंधे पर उठाकर भी ट्रेनिंग करते हैं। इन युवाओं की मेहनत, अनुशासन और जुनून देखकर कोई भी हैरान रह जाए। इस गांव में बच्चों को छोटी उम्र से ही फिटनेस और पहलवानी के लिए तैयार किया जाता है। यहां के परिवार अपने बच्चों को मोबाइल और टीवी से ज्यादा अखाड़े की तरफ भेजना पसंद करते हैं। गांव के बुजुर्गों का मानना है कि अनुशासन और मेहनत ही इंसान को मजबूत बनाते हैं। यही कारण है कि यहां के युवा सख्त रूटीन को फॉलो करते हैं। असोला-फतेहपुर बेरी के पहलवानों का खानपान भी काफी खास माना जाता है। यहां के युवा ज्यादातर शाकाहारी भोजन लेते हैं और अपने खाने में दूध, दही, घी, सूखे मेवे और प्रोटीन से भरपूर चीजें शामिल करते हैं। गांव के लोग शराब और धूम्रपान जैसी आदतों से दूरी बनाकर रखते हैं। उनका मानना है कि अच्छी बॉडी और मजबूत दिमाग के लिए साफ-सुथरी जीवनशैली बेहद जरूरी है।लोग इस गांव को बाउंसर की फैक्ट्री भी कहते हैं।

राहुल को अपने बीच पाकर ऑटो चालकों के खिले चेहरे

» कांग्रेस सांसद ने बढ़ती परिचालन लागत व ईंधन की कीमतों को लेकर उनकी चिंताओं को सुना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने दिल्ली में ऑटो चालकों से मुलाकात कर उनके साथ दोपहर का भोजन किया और बढ़ती परिचालन लागत व ईंधन की कीमतों को लेकर उनकी चिंताओं को सुना। यह जनसंपर्क कार्यक्रम कांग्रेस नेता द्वारा श्रमिकों और मजदूरों के आजीविका संबंधी मुद्दों को समझने के उनके प्रयासों का हिस्सा है, खासकर जब परिवहन क्षेत्र वित्तीय दबाव का सामना कर रहा है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मध्य दिल्ली में ऑटो रिक्शा चालकों से मुलाकात की और उनके साथ दोपहर का भोजन किया। यह अनौपचारिक बातचीत राष्ट्रीय राजधानी में परिवहन कर्मचारियों के सामने आने वाली चुनौतियों को समझने के उद्देश्य से की गई थी।

राहुल गांधी ने बंगाली मार्केट के पास टोडरमल रोड पर लगभग आधा घंटा बिताया, जहां उन्होंने टोडरमल पार्क में जमा हुए चालकों से बातचीत की। इस दौरान, उन्होंने ऑटो रिक्शा चालकों से सीधे बात की और बढ़ते खर्चों, ईंधन की कीमतों और घटती आय के बारे में उनकी चिंताओं को सुना। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब दिल्ली और आसपास के शहरों में वाणिज्यिक वाहन संचालक बढ़ती परिचालन लागत और अपर्याप्त किराया संशोधन को लेकर चिंता जता रहे हैं। राहुल गांधी ने हाल के वर्षों में अक्सर इसी तरह के जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित किए हैं, जिनमें उन्होंने श्रमिकों, मजदूरों, डिलीवरी कर्मियों और ड्राइवरों से मिलकर आजीविका संबंधी मुद्दों पर चर्चा की है। यह बैठक दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में परिवहन यूनियनों द्वारा 21 से 23 मई के बीच की गई व्यापक हड़ताल के कुछ ही दिनों बाद हो रही है। इस विरोध प्रदर्शन के कारण कैब और ऑटो-रिक्शा सहित कई सार्वजनिक परिवहन सेवाएं बाधित हुईं, जिससे एनसीआर भर के यात्रियों को असुविधा हुई। ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस और यूनाइटेड फ्रंट ऑफ ऑल ट्रांसपोर्ट एसोसिएशंस के बैनर तले 68 से अधिक परिवहन यूनियनों ने चक्का जाम विरोध प्रदर्शन में भाग लिया।

चालक के साथ किया दोपहर का भोजन

इस बातचीत के तहत कांग्रेस सांसद को एक ऑटो चालक के साथ दोपहर का भोजन करते हुए भी देखा गया। यह बातचीत बंगाली मार्केट के पास टोडरमल पार्क में हुई, जो स्थानीय परिवहन कर्मचारियों और यात्रियों द्वारा अक्सर इस्तेमाल किया जाने वाला एक व्यस्त इलाका है। खबरों के अनुसार, राहुल गांधी ने ड्राइवरों से उनकी रोजमर्रा की कठिनाइयों और परिवहन क्षेत्र को प्रभावित करने वाले वित्तीय दबावों के बारे में बातचीत की।

कांग्रेस वाईएस शर्मिला को कर्नाटक से रास भेजेगी

कांग्रेस नेतृत्व आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष वाईएस शर्मिला को कर्नाटक से राज्यसभा के लिए मनोनीत करने पर विचार कर रहा है। शर्मिला ने नई दिल्ली में वरिष्ठ कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात की। हालांकि उन्होंने आधिकारिक तौर पर कहा कि बैठक आंध्र प्रदेश से संबंधित संगठनात्मक मामलों पर केंद्रित थी, लेकिन पार्टी के अंदरूनी सूत्रों का मानना है कि उनकी दिल्ली यात्रा राज्यसभा सीट के लिए दावा पेश करने के उद्देश्य से थी। बैठक का विवरण साझा करते हुए शर्मिला ने कहा कि उन्होंने आंध्र प्रदेश में कांग्रेस को मजबूत करने से संबंधित कई मुद्दों पर चर्चा की और राहुल से बहुमूल्य सुझाव प्राप्त किए। उन्होंने कहा कि हमने आंध्र प्रदेश में कांग्रेस को मजबूत करने से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की और राहुल गांधी जी से कई सुझाव प्राप्त किए। सूत्रों के अनुसार, एआईसीसी नेतृत्व ने लगभग दो साल पहले शर्मिला को एपीसीसी अध्यक्ष नियुक्त करते समय राज्यसभा में अवसर देने का आश्वासन दिया था। कांग्रेस नेतृत्व ने उन्हें पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस राजशेखर रेड्डी की राजनीतिक विरासत को वाईएस जगन मोहन रेड्डी और वाईएसआर कांग्रेस पार्टी से वापस लेकर आंध्र प्रदेश में पार्टी को पुनर्जीवित करने की जिम्मेदारी सौंपी थी। सूत्रों का कहना है कि पार्टी उच्च कमान ने आंध्र प्रदेश में कांग्रेस को मजबूत करने के प्रयासों के तहत शर्मिला के राज्यसभा में आने के अनुरोध पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है।

भाजपा सरकार गरीबों के खिलाफ है : सौगत राय

» अन्नपूर्णा योजना के नाम पर साजिश रची जा रही है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। टीएमसी के सांसद सौगत रॉय ने भाजपा की आलोचना करते हुए कहा कि भाजपा हाल ही में प्रस्तावित अन्नपूर्णा योजना के नाम पर साजिश रच रही है। भाजपा ने 12 पन्नों का एक लंबा फॉर्म जारी किया है, जिसे भरना गरीबों के लिए मुश्किल होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा इतने लंबे फॉर्म को जारी करके लाभार्थियों की संख्या सीमित करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि वे योजना के लाभार्थियों की संख्या कम करना चाहते हैं। झुग्गी-झोपड़ी में रहने वाले और गरीब लोग 12 पन्नों का फॉर्म नहीं भर सकते। यह एक साजिश है। इससे पहले बुधवार को पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने प्रस्तावित अन्नपूर्णा योजना के फॉर्म जारी किए, जिसके तहत महिलाओं को प्रति माह तीन हजार रुपये की वित्तीय सहायता मिलेगी।

मुख्यमंत्री अधिकारी ने चिंता व्यक्त की कि लगभग 30 लाख लोग, जिन्होंने न तो नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के तहत आवेदन किया है और न ही न्यायाधिकरण से संपर्क किया है, राज्य सरकार द्वारा दी जाने वाली वित्तीय सहायता का लाभ उठा रहे हैं, जो केवल भारतीय नागरिकों के लिए है। भाजपा ने महिलाओं की आर्थिक स्वतंत्रता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उन्हें प्रति माह तीन हजार रुपये की वित्तीय सहायता देने का वादा किया था। अधिकारी ने कहा, भाजपा के संकल्प पत्र में हमने सरकार बनने के तुरंत बाद अन्नपूर्णा योजना शुरू करने का वादा किया था। इस पहल के तहत, पात्र लाभार्थियों, विशेष रूप से महिलाओं को, तीन हजार रुपये की प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता मिलेगी। लगभग 30 लाख लोगों ने न तो सीएए के तहत आवेदन किया है और न ही न्यायाधिकरण से संपर्क किया है, ये लोग वर्तमान में धनराशि प्राप्त कर रहे हैं। यह योजना भारत में रहने वालों के लिए है। हालांकि, सीएए के तहत आवेदन करने वाले या न्यायाधिकरण में निर्णय के बाद अपील दायर करने वाले अपवाद हैं। हम आज अपने महिला एवं बाल विकास विभाग के माध्यम से एक फॉर्म जारी कर रहे हैं।

आईपीएल खिताब से एक कदम दूर गुजरात टाइटंस

» सूर्यवंशी की पारी पर भारी पड़ी गिल-सुदर्शन की साझेदारी, राजस्थान बाहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुल्लांपुर। कप्तान शुभमन गिल की कप्तानी पारी और साई सुदर्शन के साथ पहले विकेट के लिए की गई साझेदारी के दम पर गुजरात टाइटंस ने क्वालिफायर-2 मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को सात विकेट से हराया। गुजरात ने इसके साथ ही आईपीएल 2026 के फाइनल में जगह पक्की कर ली है। राजस्थान ने वैभव सूर्यवंशी की शानदार पारी के दम पर 20 ओवर में छह विकेट पर 214 रन बनाए। जवाब में गुजरात ने 18.4 ओवर में तीन विकेट पर 219 रन बनाकर मैच अपने नाम किया। राजस्थान का सफर इस तरह क्वालिफायर-2 में ही थम गया।

गुजरात टाइटंस ने इस तरह तीसरी बार आईपीएल के फाइनल में प्रवेश कर लिया। इससे पहले टीम ने साल 2022 (विजेता) और 2023 (उपविजेता) में खिताबी मुकाबला खेला था। अब गुजरात का सामना 31 मई यानी रविवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा। इस मैच में आरसीबी जहां खिताब का बचाव करने उतरेगी। वहीं, गुजरात दूसरी बार ट्रॉफी अपने नाम करना चाहेगी। गिल ने 47 गेंदों पर अपने आईपीएल करियर का पांचवां शतक पूरा किया। गिल आईपीएल में सर्वाधिक शतक लगाने वाले छठे बल्लेबाज बन गए हैं। इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा शतक लगाने का रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम है जिन्होंने नौ शतक लगाए हैं। कप्तान के तौर पर गिल का यह दूसरा सैकड़ा था और वह तीसरे बल्लेबाज हैं जिन्होंने कप्तान के तौर पर सर्वाधिक शतक लगाए हैं। कोहली ने कप्तान के तौर पर पांच और केएल राहुल ने तीन शतक लगाए हैं।

वैभव आईपीएल में सबसे तेज 1000 रन बनाने वाले बने दूसरे बल्लेबाज

मुल्लांपुर। वैभव सूर्यवंशी ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ क्वालिफायर-2 मुकाबले में अर्धशतक लगाने में सफल रहे। वैभव ने इसके साथ ही आईपीएल में 1000 रन पूरे कर लिए हैं और वह सबसे कम पारियों में ऐसा करने वाले संयुक्त रूप से दूसरे बल्लेबाज हैं। वैभव ने 23 पारियों में टूर्नामेंट में 1000 रन पूरे किए। वैभव हालांकि, लगातार दूसरे मैच में शतक लगाने से चूक गए और 47 गेंदों पर आठ चौकों और सात छक्कों की मदद से 96 रन बनाकर आउट हुए। वैभव ने गुजरात के खिलाफ 31 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया। यह उनका आईपीएल का सबसे धीमा पचासा रहा। वैभव ने भले ही मोर्चा संभाला, लेकिन यह उनका आईपीएल का सबसे धीमा अर्धशतक रहा। वैभव का मौजूदा सीजन में छठा और ओवरऑल आठवीं बार 50+ स्कोर बनाया है।

लोकतंत्र में सभी आवाजों और भावनाओं को समायोजित करने की क्षमता: आंबेडकर

» कॉकरोच जनता पार्टी संघ ने दी प्रतिक्रिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी को लेकर आरएसएस की पहली प्रतिक्रिया सामने आई है। आरएसएस नेता सुनील आंबेकर ने कहा कि भारतीय लोकतंत्र में सभी आवाजों और भावनाओं को समायोजित करने की क्षमता है और जेन-जी को देश पर भरोसा है। बता दें कि जेनजी वे युवा हैं जिनका जन्म 1997 से 2012 के बीच हुआ। आरएसएस के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख आंबेकर ने नागपुर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि भारत लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का पालन करता है, पारदर्शी चुनाव कराता है और सोशल मीडिया सहित यहां खुला मीडिया है।

वे कॉकरोच जनता पार्टी को लेकर एक प्रश्न का उत्तर दे रहे थे। उन्होंने कहा, इसलिये मुझे लगता है कि लोकतंत्र में किसी भी तरह की चर्चा और लोगों द्वारा रखे और व्यक्त किए जाने वाले विभिन्न विचारों को आश्चर्य की तरह नहीं लिया जाना चाहिए। उन्हें सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा माना जाना चाहिए। मेरा मानना है कि मीडिया उन्हें संभालने के लिए पर्याप्त रूप से स्वतंत्र है।

केरल के पूर्व सीएम ने ईडी एक्शन पर घेरा

» भाजपा केंद्र में जब से आई है, वह विरोधी दलों को परेशान कर रही है : विजयन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

तिरुवनंतपुरम। केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन ने भाजपा विरोधी दलों के नेताओं के खिलाफ ईडी की कार्रवाई पर कांग्रेस पर संकीर्ण सोच रखने का आरोप लगाया और कहा कि भाजपा तभी आपत्ति जताती है जब उसके अपने नेताओं को निशाना बनाया जाता है। विजयन ने अपने आवासों पर प्रवर्तन निदेशालय की तलाशी के बारे में पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि जब से भाजपा केंद्र में सत्ता में आई है, तब से वह अपने विरोधी दलों के प्रति कड़ा रुख अपना रही है।

राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि इसके तहत, यह कई विपक्षी दलों और उनके नेताओं के खिलाफ पक्षपातपूर्ण तरीके से ईडी का इस्तेमाल करता है। हालांकि, कांग्रेस इसका विरोध तभी करती है जब उसके अपने नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की जाती है। मुख्यमंत्री वीडी सतीशन की इस मुद्दे पर चुप्पी के बारे में पूछे जाने पर विजयन ने कहा कि यह सवाल केरल के मुख्यमंत्री से पूछा जाना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के मामले में कांग्रेस लगातार पूछती रही कि उन्हें गिरफ्तार या उनके खिलाफ मामला दर्ज क्यों नहीं किया जा रहा है, और जब उनके खिलाफ मामला दर्ज हुआ तो उन्होंने जश्न मनाया। ईडी की कार्रवाई के संबंध में उन्होंने कहा कि एजेंसी ने उनकी बेटी वीना टी का एक खाता बंद कर दिया है और उनसे पूछताछ नहीं की गई, हालांकि तलाशी के दौरान वे वहां मौजूद थे।

मार्क्सवादी नेता ने कांग्रेस के रुख की आलोचना की

मार्क्सवादी नेता ने कहा कि हाल ही में उनके आवासों पर हुई तलाशी के बाद तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और केजरीवाल ने भी ईडी की कार्रवाई की निंदा की और कांग्रेस के रुख की आलोचना की। विजयन ने कहा कि लेकिन इन सब के बावजूद कांग्रेस के रुख में कोई बदलाव नहीं आया है, जो दुर्भाग्यपूर्ण है। भाजपा की ऐसी हरकतों के खिलाफ हम सभी को एकजुट होने की जरूरत है, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व इस मामले में संकीर्ण सोच अपना रहा है।

महाराष्ट्र की कानून-व्यवस्था ऐसी... हम सरकार से क्या उम्मीद कर सकते हैं : आदित्य ठाकरे

» शिवसेना (यूबीटी) नेता पुणे शराब कांड में 18 की मौत के बाद भड़के

» कहा- सिर्फ दिखावे के लिए लोगों को करते हैं गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। अवैध शराब मामले पर शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि ये लोग सिर्फ दिखावे के लिए लोगों को गिरफ्तार करते हैं और कार्रवाई करते हैं। पुणे से एक और वीडियो सामने आया है, जिसमें पोर्श कार चलाते हुए दो लोगों की हत्या करने वाला लड़का जेल से रिहा होने के बाद जश्न मनाता नजर आ रहा है। अगर कानून-व्यवस्था की यही हालत है, तो हम और क्या उम्मीद कर सकते हैं।

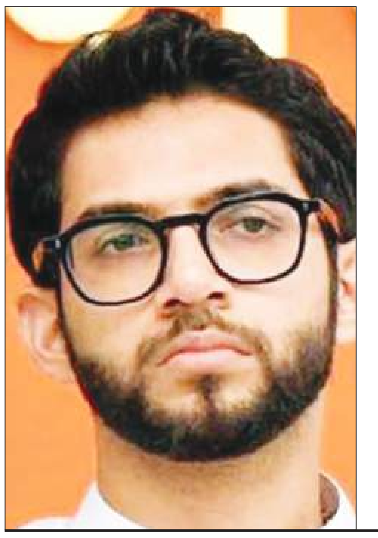

पुणे जिले में पिछले 48 घंटों में मेथनॉल मिले शराब के सेवन से 18 लोगों की मौत के बाद पुलिस ने अवैध शराब रैकेट की जांच तेज कर दी है। पिंपरी चिंचवाड़ के फुगेवाड़ी और दापोड़ी में 13 लोगों की मौत हुई, जबकि पुणे के हडपसर और कालेपदल में पांच लोगों की मौत शराब के सेवन से हुई। पुलिस ने पहले इन मौतों को अलग-अलग बीमारियों से जोड़ा था, लेकिन सभी पीड़ितों में एक समान लक्षण गंभीर चक्कर आना और पेट दर्द था। ये लक्षण शराब के जहर के शुरुआती लक्षणों से मेल खाते हैं। अवैध शराब मामले पर शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि ये लोग सिर्फ दिखावे के लिए लोगों को गिरफ्तार करते हैं और कार्रवाई करते हैं। ?

पुणे से एक और वीडियो सामने आया है, जिसमें पोर्श कार चलाते हुए दो लोगों की हत्या करने वाला लड़का जेल से रिहा होने के बाद जश्न मनाता नजर आ रहा हैज अगर कानून-व्यवस्था की यही हालत है, तो हम और क्या उम्मीद कर सकते हैं। बाद में पुलिस को पोस्टमार्टम रिपोर्ट प्राप्त हुई, जिसके बाद उन्होंने धारा 105 (गैर इरादतन हत्या), 123 (अपराध करने के इरादे से हानिकारक पदार्थों से चोट पहुंचाना), भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और महाराष्ट्र निषेध अधिनियम की अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामले दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू की। योगेश वानखेड़े नाम का एक व्यक्ति इस मामले में एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में सामने आया और अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण करने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में पता चला कि उसने पुणे शहर और पिंपरी चिंचवड क्षेत्रों में रासायनिक पदार्थ युक्त शराब की आपूर्ति की थी।

राज्य उत्पाद शुल्क विभाग के पुलिस अधीक्षक अतुल कनाडे ने बताया कि आरोपी ने कथित तौर पर शराब में जहरीला रसायन मेथनॉल मिलाया था, जिसके परिणामस्वरूप कई लोगों की मौत हुई। अवैध शराब के नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की पहचान करने के लिए उससे आगे पूछताछ की जा रही है। पिंपरी-चिंचवड शहर के पुलिस आयुक्त विनय चौबे ने बताया कि वानखेड़े के अलावा पांच आरोपी फिलहाल पुलिस हिरासत में हैं, जबकि दो अन्य राज्य उत्पाद शुल्क विभाग की हिरासत में हैं।

13 पुलिस-आबकारी कर्मी सस्पेंड, अब सीआईडी करेगी मामले की जांच

पुणे और पिंपरी-चिंचवड में नकली शराब के सेवन से हुई मौतों के संबंध में राज्य उत्पाद शुल्क विभाग ने शनिवार को 13 अधिकारियों और कर्मचारियों को निलंबित करके बड़ी कार्रवाई की। निलंबित कर्मियों में तीन निरीक्षक, छह उप-निरीक्षक और विभाग के चार अन्य कर्मचारी शामिल हैं। पिंपरी-चिंचवड और पुणे शहर में दो दिनों के दौरान घटी त्रासदी के सिलसिले में एक प्रमुख अवैध शराब तस्कर समेत आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस घटना के बाद जांच का जिम्मा अपराध जांच विभाग (सीआईडी) ने अपने हाथ में ले लिया है।

कर्नाटक : तीन जून को शिवकुमार लेंगे मुख्यमंत्री पद की शपथ

» कांग्रेस आलाकमान ने कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन को अंतिम रूप दिया

» 10 मंत्रियों के साथ मुख्यमंत्री पद का होगा शपथ ग्रहण समारोह

» 18 जून के बाद शेष मंत्रिमंडल विस्तार होने की संभावना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरू। कांग्रेस आलाकमान ने कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन को अंतिम रूप दे दिया है, जहाँ डीके शिवकुमार 3 जून को लगभग 10 मंत्रियों के साथ मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। सिद्धारमैया के इस्तीफे और राहुल गांधी से मुलाकात के बाद यह निर्णय सत्ता के सुचारु हस्तांतरण को सुनिश्चित करता है, हालांकि सिद्धारमैया ने अपने वफादारों के लिए कैबिनेट पदों की मांग की है। कर्नाटक में कांग्रेस हाई कमांड नेतृत्व परिवर्तन की अंतिम तैयारियों में जुटा है।

उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के 3 जून को अगले मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने की संभावना है। कांग्रेस सूत्रों के अनुसार, शिवकुमार के साथ लगभग आठ से दस मंत्रियों के शपथ लेने की उम्मीद है। राज्यसभा चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद 18 जून के बाद शेष मंत्रिमंडल विस्तार होने की संभावना है। यह परिवर्तन मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के इस्तीफे के बाद हुआ है और पार्टी राज्य में शासन के अगले चरण से पहले सत्ता के सुचारू हस्तांतरण को सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है।

सिद्धारमैया के 17 राज्य बजट प्रभावशाली रहे : जयराम

कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने शुक्रवार को कर्नाटक के निवर्तमान मुख्यमंत्री सिद्धारमैया को राज्य के राजनीतिक इतिहास के सबसे प्रभावशाली नेताओं में से एक बताते हुए उनकी प्रशासनिक कुशलता, सामाजिक न्याय के प्रति प्रतिबद्धता और चार दशकों के राजनीतिक जीवन में नेतृत्व परिवर्तन को

गरिमापूर्ण ढंग से संभालने की प्रशंसा की। ड्ड पर एक पोस्ट में रमेश ने कहा कि सिद्धारमैया का चार दशक लंबा राजनीतिक करियर और 17 राज्य बजट पेश करना कर्नाटक के शासन में उनके कद और योगदान को दर्शाता है। कांग्रेस महासचिव ने अपने पूरे राजनीतिक करियर में सामाजिक न्याय, धर्मनिरपेक्षता और वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने के लिए सिद्धारमैया की प्रशंसा की। सिद्धारमैया राज्य के सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाले मुख्यमंत्री भी हैं, जिनका करियर 2013-2018 और 2023-2026 के दो अलग-अलग कार्यकालों में 8 वर्षों से अधिक का रहा है। जयराम रमेश ने कहा कि सिद्धारमैया चार दशकों से अधिक समय से कर्नाटक की राजनीति में एक बेहद प्रभावशाली व्यक्तित्व रहे हैं, जो अपने आप में एक अभूतपूर्व उपलब्धि है।

खरगे व राहुल से मिले दोनों नेता

सिद्धारमैया और शिवकुमार नई दिल्ली में थे, जहां उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी से मुलाकात की। राहुल गांधी के 10 जनपथ स्थित आवास पर एक महत्वपूर्ण बैठक हुई, जहां सिद्धारमैया ने उन्हें सूचित किया कि उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने की अपनी प्रतिबद्धता पूरी कर ली है, जिससे सत्ता हस्तांतरण का मार्ग प्रशस्त हो गया है। सूत्रों के अनुसार, सिद्धारमैया ने केवल राहुल गांधी से मुलाकात की, क्योंकि सोनिया गांधी बैठक के दौरान उपस्थित नहीं थीं। यह भी बताया जा रहा है कि उन्होंने नई सरकार में अपने बेटे और वफादारों के लिए उपमुख्यमंत्री पद सहित कैबिनेट पदों की मांग की है। कांग्रेस विधायक दल की शनिवार को बेंगलुरु में शाम 4 बजे कांग्रेस विधायक दल की औपचारिक बैठक निर्धारित की गई है। के.सी. वेणुगोपाल और रणदीप सुरजेवाला सहित वरिष्ठ एआईसीसी पर्यवेक्षक कार्यवाही की निगरानी करेंगे। विधायकों द्वारा नए विधायक दल के नेता का औपचारिक रूप से चुनाव किए जाने की उम्मीद है, जिसके बाद शपथ ग्रहण समारोह की तिथि आधिकारिक रूप से तय की जाएगी। कांग्रेस नेतृत्व मंत्रिमंडल में बड़े फेरबदल की योजना बना रहा है।

सीयूईटी-26 परीक्षा में देरी को लेकर हंगामा

एनटीए ने कहा- तकनीकी खराबी के चलते परीक्षा में देरी, नेता प्रतिपक्ष ने व्यवस्था पर उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। सीयूईटी-26 परीक्षा 30 मई 26 को कुछ परीक्षा केंद्रों पर समय पर शुरू नहीं हो सकी। तकनीकी खराबी के चलते परीक्षा में देरी हुई, जिसके बाद एनटीए ने तुरंत अपडेट जारी करते हुए नया शेड्यूल लागू किया। इसको लेकर देश के कुछ परीक्षा केंद्रों पर काफी हंगामेदार स्थिति देखने को मिली।

कहीं तकनीकी खराबी के कारण परीक्षा देर से शुरू हुई, तो कहीं अव्यवस्था और अफवाहों ने माहौल को और तनावपूर्ण बना दिया। इसी दौरान परीक्षा रद्द होने की खबरें भी फैलीं, जिसके बाद छात्रों और अभिभावकों में नाराजगी और गुस्सा देखने को मिला। उधर इस नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी सरकार पर सवाल उठाए।

छात्रों और अभिभावकों में नाराजगी

कुछ परीक्षा केंद्रों पर छात्रों ने बताया कि उन्हें लंबे समय तक इंतजार करना पड़ा और परीक्षा हॉल के अंदर भी बुनियादी सुविधाओं की कमी महसूस हुई।कई जगह पानी की व्यवस्था और पंखों को लेकर भी शिकायतें सामने आईं।इस वजह से छात्रों और उनके अभिभावकों में नाराज़गी बढ़ गई।

दावे विश्वगुरु के, मगर देश में एक परीक्षा नहीं करवा सकते : राहुल

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि नीट, यूजीसी, सीबीएसई और आज सीयूईटी। चार एग्जाम, एक करोड़ बच्चे, एक भी ईमानदारी से नहीं हुआ। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा, दावे विश्वगुरु के, मगर देश में एक परीक्षा नहीं करवा सकते- मोदी जी ने पूरी शिक्षा व्यवस्था तबाह कर दी है। उन्होंने आगे लिखा, जिस पीढ़ी का भविष्य आप बर्बाद कर रहे हैं - वही पीढ़ी आपका हिसाब करेगी।

कांग्रेस नेता सोनिया गांधी की आंख की हुई सर्जरी अस्पताल से मिली छुट्टी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी की आंख की सर्जरी हुई थी। वह डॉक्टर्स की निगरानी में थीं। हालांकि अब उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल गई है और वह अपने आवास 10, जनपथ पर लौट आई हैं। सोनिया गांधी की तबीयत पिछले कुछ समय से ठीक नहीं चल रही है।

उन्हें पेट, फेफड़ों और सांस से जुड़ी समस्याएं रहती हैं। उनका इलाज समय-समय पर नई दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल, शिमला के इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल और गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में चलता रहा है।

10 सर्कुलर रोड नहीं छोड़ेंगी राबड़ी

» बोलीं- फोर्स बुलाकर घर खाली करा लें सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार की राजनीति के सबसे चर्चित पतों में शुमार 10 सर्कुलर रोड एक बार फिर राजनीतिक बहस के केंद्र में आ गया है। पूर्व मुख्यमंत्री एवं विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष राबड़ी देवी को सरकारी आवास खाली करने के लिए भवन निर्माण विभाग की ओर से तीसरा नोटिस जारी किया गया है।

नोटिस मिलने के बाद राबड़ी देवी ने सरकार के प्रति कड़ा रुख अपनाते हुए साफ कहा है कि वह आवास खाली नहीं करेंगी। दिल्ली से पटना लौटने के बाद पत्रकारों से बातचीत में राबड़ी देवी ने कहा, नए-नए मुख्यमंत्री बने हैं न सम्राट चौधरी, फोर्स बुलाकर आवास खाली करवा लें। दरअसल, राज्य सरकार ने 10 सर्कुलर रोड स्थित आवास का आवंटन बिहार सरकार के डेयरी, मत्स्य एवं पशु संसाधन मंत्री नंद किशोर राम के नाम कर दिया है। इसके बावजूद राबड़ी देवी अब भी इस आवास में रह रही हैं। इसी को लेकर भवन निर्माण विभाग ने एक दिन पहले फिर से नोटिस जारी करते हुए तत्काल आवास खाली करने का अनुरोध किया है। विभाग द्वारा भेजे गए पत्र में कहा गया है कि नेता प्रतिपक्ष के रूप में राबड़ी देवी को नवंबर 25 में ही 39 हार्डिंग रोड स्थित सरकारी आवास आवंटित किया जा चुका है। विभाग ने यह भी उल्लेख किया है कि पूर्व में कई बार आग्रह किए जाने के बावजूद उन्होंने 10 सर्कुलर रोड का आवास खाली नहीं किया है। अब नए आवंटन आदेश के बाद सरकार चाहती है कि बंगला शीघ्र खाली कराया जाए ताकि नए आवंटी को कब्जा दिया जा सके। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि 10 सर्कुलर रोड सिर्फ एक सरकारी आवास नहीं, बल्कि बिहार की राजनीति का प्रतीकात्मक केंद्र रहा है।

महाराष्ट्र कार्यालय :- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। **विधि सलाहकार** : मोहम्मद हैदर
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।
RNI-UPHIN/2015/62233, दूरभाष : 0522- 4078371 | **Email** : daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in |
समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा**
द्वारा **आस्था प्रिंटर्स**, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित
पता 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। **संपादक- संजय शर्मा**